रोहतक
रविवार, 23 मार्च 2025
चैत्र मास कृष्ण पक्ष, नवमी वर्ष : 29, अंक : 51
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 35.6
न्यून. 11.1

हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

IV अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन को 300 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा रि-डिजाइन

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL

K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS NOW OPEN
Session 2025-26

Nursery - Grade IX & XI
(Play Group Also Available)

Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY BY TIMES SCHOOL SURVEY 2024

Unlock A BRIGHTER FUTURE
at K.R. Mangalam World School

TRANSFORMATIVE EDUCATION | EXCEPTIONAL FACILITIES | INSPIRING TEACHERS

At K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh, we're dedicated to shaping young minds into leaders of tomorrow. Our world-class infrastructure and nurturing environment ensure every child's potential is realised.

WHY CHOOSE US?
- Comprehensive Extracurricular Programmes
- Global Exposure
- Safe and Inclusive Campus
- Cutting-Edge Technology Integration
- Focus on Character Development
- Proven Academic Excellence

KRM LEGACY
- 40,000+ Students Studying
- 50,000+ Alumni Members
- 4,000 Faculty On Board
- Best Academic Experts
- Seamless Admission Process
- Innovative Learning Modules
- Student-Friendly Campus
- Global Student Exchange Programmes

JOIN A COMMUNITY WHERE LEARNING IS AN ADVENTURE

9549899503
School is Open for Admissions on All Days

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com
Sector-2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow

खबर संक्षेप

अवैध हथियारों सहित चार गिरफ्तार, केस

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच 48 की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में 2 आरोपियों अभिषेक/भूरी व आकाश/नायक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया के क्राइम ब्रांच 48 की टीम ने आरोपी अभिषेक/भूरी व आकाश/नायक को काबू किया है। आरोपियों से मौका पर देसी कट्टा बरामद किया गया है। पुछताछ में पता चला कि आरोपी अभिषेक देशी कट्टा 8000 रुपये में कानपुर से लेकर आया था व आकाश को किसी जगह की खुदाई के दौरान देशी कट्टा मिला था। जिनके खिलाफ संबंधित थानों में अवैध हथियार रखने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

प्रॉपर्टी टैक्स न भरने पर दस संपत्तियां सील

फरीदाबाद। नगर निगम द्वारा एनआईटी जोन तीन में शनिवार लगभग 10 संपत्तियों को टैक्स जमा न कराने पर सील किया गया है, इनमें ऊपर लगभग 10 लाख रुपए का टैक्स बकाया था। नगर निगम के क्षेत्रीय कर अधिकारी पदम सिंह ढांडा की टीम ने सीलिंग कार्यवाही के दौरान चलती हुई यूनिटों को सील किया गया। यह कार्यवाही डबुआ, जवाहर कालोनी ओर क्रेशर जोन इलाके में की गई। इसके अलावा एनआईटी जोन एक में क्षेत्रीय कर अधिकारी विकास कन्हैया की टीम ने एनआईटी नंबर एक, नंबर दो और इससे लगता कुछ इंडस्ट्री एरिया में 5 यूनिटों को सील किया है इन यूनिटों पर लगभग 14 लाख रुपए का टैक्स बकाया था।

अवैध खनन रोकने फिल्ड में उतरा अमला

फरीदाबाद। सरकार अवैध खनन के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है और खनन विभाग लगातार इस पर नजर बनाए हुए है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग खुद खनन विभाग की गतिविधियों पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं और जरूरी दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य खनन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना और अवैध खनन को जड़ से खत्म करना है। खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के आदेशानुसार विभागीय टीम पूरी सजगता व मुस्तैदी से अपना दायित्व निभाते हुए हर पहलू पर फोकस कर रही है।जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी देते हुए बताया कि गत शुक्रवार को देर रात खनन विभाग सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीम ने सेक्टर 59 बाईपास, बडख़ल क्रेशर जोन आदि स्थानों का औचक निरीक्षण किया।

जीरो ड्राप आउट का लक्ष्य : अब गुरुजी संभालेंगे प्रवेश उत्सव का जिम्मा

तीन वर्षों से स्कूल में नहीं जाने वाले बच्चों का रिकार्ड होगा तैयार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

- राजकीय स्कूलों में 23 मार्च रविवार से प्रवेश उत्सव शुरू होगा और 30 अप्रैल तक नामांकन चलेगा

शिक्षा विभाग प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर प्रवेश उत्सव शुरू होगा। विभाग ने जीरो ड्राप आउट का लक्ष्य निर्धारित किया है। गुरुजी प्रवेश उत्सव का जिम्मा संभालेंगे। राजकीय स्कूलों में 23 मार्च रविवार से प्रवेश उत्सव शुरू होगा और 30 अप्रैल तक नामांकन चलेगा। विद्यालय मुखिया और स्कूल प्रबंधन कमेटी द्वारा प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर डोर-टू-डोर दस्तक दी जाएगी। उन विद्यार्थियों पर फोकस रहेगा, जो पिछले तीन सालों से स्कूल में नहीं गए हैं। जिन विद्यालयों में 11वीं में विज्ञान संकाय है, ऐसे विद्यालय अपने क्षेत्र के बच्चों को 8वीं व 10वीं पास करने वाले विद्यार्थियों को स्कूलों में लेकर आएंगे। इसको लेकर विशेष नामांकन अभियान चलाया जाएगा और घर जाकर बच्चों का दाखिला जाएगा। उन अभिभावकों से भी संपर्क साधा जाएगा, जिनके बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं। हरियाणा

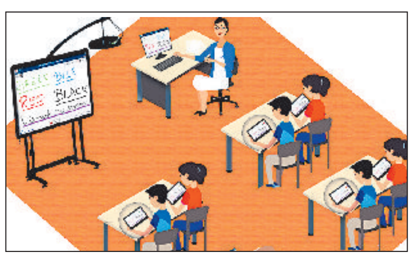

स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी, मौलिक शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक और खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राजकीय स्कूलों में पहली अप्रैल से दाखिल प्रक्रिया शुरू होगी। इसको लेकर विभाग की ओर से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पहली अप्रैल को ही परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा और इसी दिन अगली कक्षाओं में बच्चों का नामांकन करने के साथ पुस्तकों का वितरण भी किया जाएगा।

पांचवीं पास करने वाले विद्यार्थियों का अगली कक्षा में उसी दिन नामांकन किया जाएगा। जिन पांचवीं पास विद्यार्थियों के गांव में उच्च प्राथमिक स्कूल नहीं हैं, उस मामले में प्राथमिक स्कूल मुखिया 2 अप्रैल को सभी पांचवीं पास कर चुके बच्चों को विद्यालय में बुलाकर दाखिला संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी करेंगे।

पांचवीं से छठी कक्षा में विद्यार्थियों का स्थानांतरण 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। आठवीं कक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों का स्थानांतरण भी 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, क्योंकि 9वीं कक्षा में ही ड्राप आउट सबसे ज्यादा होता है। विशेषकर लड़कियां प्रभावित होती हैं। इसको लेकर बालिकाओं की पहचान करना अनिवार्य है। जिनके माता-पिता उन्हें नौंवी कक्षा में पढ़ाना नहीं चाहते हैं, उनसे विशेष तौर पर आग्रह किया जाएगा। 9वीं कक्षा में पठन-पाठन का कार्य 2 अप्रैल से शुरू होगा, क्योंकि अप्रैल माह में फसल कटाई का कार्य शुरू हो जाता है, जिसके चलते माता-पिता और विद्यार्थी 20 दिन के लिए व्यस्त हो जाते हैं और मई माह में फसल कटाई के बाद बच्चों के दाखिले के लिए संपर्क करते हैं। 11 अप्रैल तक बच्चों के दाखिले की रिपोर्ट बनाकर प्रत्येक विद्यालय, खंड एवं जिला स्तर पर उपलब्ध करवाएं। यदि कोई बच्चा इस दौरान छूट गया है तो उसकी सूचना अलग से तैयार की जाए।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों का कदम केंद्रों में होगा दाखिला: शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों को जीरो ड्राप आउट का लक्ष्य दिया है। ऐसे बच्चे जो पिछले 3 वर्षों में ड्रापआउट हुए हैं, उन्हें विद्यालय में लाया जाएगा। प्रत्येक गांव, वार्ड स्तर पर स्कूलवार डाटा लेकर सभी ड्राप आउट विद्यार्थियों की पहचान की जाएगी। आंगनबाड़ी रजिस्टर, जन्म-मृत्यु रजिस्टर, सीएमओ कार्यक्रम, विजेश एजुकेशन रजिस्टर से आंकड़ा लिया जाए ताकि सभी प्रकार से कोई भी विद्यार्थी न छूट पाए। आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए चलाए जा रहे कदम केंद्रों के संचालकों से मिलकर विभागीय नियमानुसार नजदीक स्कूलों में दाखिला किया जाएगा। विभाग के संज्ञान में आया कि गुरुग्राम व पंचकूला में कुछ एनजीओ स्कूल समय के दौरान बच्चों को स्कूल से बाहर पढ़ाते हैं, इसके लिए वे सीएसआर या एफसीआर से फंड लेते हैं।

प्रत्येक विद्यालय अपने क्षेत्र को जीरो ड्राप आउट को करेगा घोषित

विभाग की ओर से ड्राप आउट जीरो का लक्ष्य दिया गया है। कलस्टर स्तर पर टीम बनाकर गांव, वार्ड में घर-घर जाकर मिलान किया जाए। यह पता किया जाए कि विद्यार्थी इस समय कहां है उसका पूरा विवरण लिखा जाए। प्रत्येक विद्यालय अपने नजदीकी क्षेत्र को जीरो ड्राप आउट घोषित करेगा। यह दायित्व स्कूल मुखिया की अध्यक्षता वाली टीम को सौंपा जाए। ऐसे विद्यार्थी जो न किसी स्कूल में हैं और और न ही राज्य को छोड़कर कहीं गए हैं। उन्हें ड्रापआउट श्रेणी में रखा जाए तथा इनके नामांकन के लिए कार्रवाई की जाए।

राष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान कैच द रेन 2025 का शुभारंभ

महेंद्रगढ़, यमुनानगर व पंचकूला में परियोजनाओं का उद्घाटन, जल संरक्षण योद्धा किए सम्मानित

- विश्व जल दिवस पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल संरक्षण का किया आह्वान

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

विश्व जल दिवस पर हरियाणा ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना जब जल संरक्षण और जल संचयन की दिशा में जिला पंचकूला से राष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2025 की शुरुआत हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल शक्ति अभियानः कैच द रेन-2025 का विधिवत शुभारंभ किया। इसके अलावा, जल संरक्षण, जलापूर्ति योजनाओं व स्वच्छता अभियान के तहत कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी भी उपस्थित रही। जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल संरक्षण हेतु हरियाणा के लिए मुख्यमंत्री जल संचय योजना का शुभारंभ किया। इसके अलावा, जल शक्ति अभियानः कैच द रेन-2025 के अंतर्गत जल-जंगल-जनः एक प्राकृतिक बंधन अभियान, जल संसाधन एट्लस- 2025, एकीकृत जल संसाधन कार्य योजना 2025-27, ऑनलाइन कैनाल वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम, बेहतरीन कार्य प्रणाली जेएसए-सीटीआर का भी शुभारंभ किया गया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने लोगों को जल संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया।

प्रगतिशील किसानों सहित अन्य सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जल योद्धाओं को सम्मानित किया गया। प्रगतिशील किसान श्रेणी के तहत राजकुमार मेहरा, कुरूक्षेत्र से प्राकृतिक खेती के लिए, कुशाल नेहरा, गांव सुखपुरा, यमुनानगर से फसल विविधीकरण और विकास चौधरी को तरावड़ी, करनाल से डीएसआर तकनीक के उपयोग के लिए सम्मानित किया गया। इसी तरह जल संरक्षण में सर्वश्रेष्ठ सरपंच के लिए भारती, पखाल, फरीदाबाद को ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए रतनपाल सिंह, निरपुर राजपूत, नारनौल को तालाब के जीर्णोद्धार के लिए तथा जसमेर सिंह, सुल्तानपुर, करनाल को वर्षा जल संचयन प्रणाली के लिए सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में अटल भूजल योजना के तहत बेस्ट भू-जल सहेली के लिए रचना रामधारी, ब्रिर्थे बिहारी, कैथल को, सुमन, बैरान भिवानी को तथा गुरप्रीत कौर, जगमलेरा सिरसा को सम्मानित किया गया। अन्य वर्गों में भी पुरस्कार वितरित किए गए।

जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा : सीएम

केंद्रीय मंत्री का स्वागत

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विश्व जल दिवस के अवसर पर आह्वान किया कि सभी हरियाणावासी मिलकर ये संकल्प लें कि पानी की एक एक बूंद बचाएंगे और दुरुपयोग नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां से जो अभियान शुरू हो रहा है, वह जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख लोगों की और से विश्वास दिलाया कि हरियाणा जल संरक्षण की इस मुहिम को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र धरा पर पधारने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जल शक्ति अभियानः कैच द रेन 2025 की शुरुआत हरियाणा से करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि जब मुझे इस कार्यक्रम में आने का समाचार मिला तो मुझे एक मुख्यमंत्री के नाते ही नहीं बल्कि हरियाणा प्रदेश के नागरिक के रूप में भी खुशी हुई कि मैं जल संरक्षण के इस अभियान का हिस्सा बन रहा हूं।

हरियाणा को मिलेगा उसके हिस्से का पानी : पाटिल

चंडीगढ़ । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए अंतरराज्यीय मुद्दों को हल करने हेतु आने वाले दिनों में संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की जाएगी। समस्याओं के हल होने से हरियाणा को उसके हक का पानी मिलेगा। सी आर पाटिल शनिवार को जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2025 के शुभारंभ के उपरांत संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार इस कार्यक्रम को दिल्ली से बाहर मनाने के लिए कार्यक्रम के आयोजन के लिए जब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पूछा गया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी, क्योंकि वे जल का महत्व जानते हैं। जल संरक्षण और जल संचय के लिए जन-जन में जागृति आए, इसके लिए नायब सिंह सैनी ने अपने राज्य बजट-2025-26 में भी बहुत से कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई है।

मिलकर काम करेंगे : पाटिल

पाटिल ने कहा कि हरियाणा प्रगतिशील राज्य है, जो पानी की आपूर्ति के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। यहां बारिश भी कम होती है, ऐसे राज्य में आने वाले दिनों में पानी कमी न हो, इसकी चिंता सरकार के साथ-साथ नागरिकों को भी करने की आवश्यकता है। इसलिए जनभागीदारी के साथ-साथ केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर राज्य को पानी की कमी की समस्या से निजात दिलाने के लिए संकल्पबद्ध तरीके से काम करेंगे। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संचय-जनभागीदारी को जन आन्दोलन में परिवर्तित करने की बात कही थी और आज का यह कार्यक्रम उसी का प्रतिबिंब है।

सहकारिता मंत्री बोले, सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें लोग

नारनौल/चंडीगढ़। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही ट्रिपल इंजन की सरकार तिगुनी रफ्तार के साथ विकास कार्य करवाने में लगी हुई है। अधिकारी भी उसी रफ्तार के साथ सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएं। शर्मा शनिवार को पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की बैठक में बोल रहे थे। सड़कों व गलियों में अतिक्रमण के संबंध में आ रही शिकायतों पर सहकारिता मंत्री ने नागरिकों से भी आह्वान किया है कि वे सार्वजनिक जगह पर अतिक्रमण न करें। इस बैठक में पहले से निर्धारित कुल 16 मामले सुनवाई के लिए रखे गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार जन कल्याण को समर्पित है। सरकार जनता की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के आधार पर कार्य कर रही है।

लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करें : बेदी

जींद/चंडीगढ़ । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की समस्याओं का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करें। आमजन के कार्य को अपने निजी कार्य समझकर उसका निपटान करें। किसी भी व्यक्ति का कार्य नहीं रुकना चाहिए। अगर किसी समस्या को दूर करने में कोई तकनीकी बाधा है, तो संबंधित व्यक्ति को समझाएं ताकि उसकी समस्या का हल हो सके। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने शनिवार को नरवाना स्थित अपने निवास पर पहुंचे आमजन की समस्याओं को सुना और उनके समाधान से संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे सदैव आमजन के साथ खड़े हैं। किसी भी आम जन को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

बजट में विकास की पूरी तरह अनदेखी : सैलजा

- बजट की अधिकतर राशि तो वेतन, पेंशन, ब्याज में चली जाएगी

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने जो बजट पेश किया है उसमें से करीब 50 प्रतिशत धनराशि ब्याज में चला जाता है और बचता है उसकी 70 प्रतिशत राशि वेतन और सामाजिक पेंशन में चली जाती है ऐसे में जो राशि शेष बचती है उसमें विकास कार्य करवाए जाने संभव नहीं है ऐसे में कामों को एक बजट से दूसरे बजट की ओर सरका दिया जाता है, ऐसे में अधिकतर काम नहीं पाते। सरकार जनता को बताए कि उसकी ओर से जो घोषणाएं की जाती है और जनता जिन कामों की मांग करती है आखिर वे कहां से करवाए जाएंगे। सैलजा ने कहा कि सरकार कमाई का पैसा इंफ्रास्ट्रक्चर, विभागों की योजनाओं, कर्ज का ब्याज चुकाने, वेतन-भत्तों पर खर्च करती है। इस बार सरकार का दावा है कि वह सबसे ज्यादा 32.84 प्रतिशत खर्च सामाजिक सेवाओं पर कर रही है। सामाजिक सेवाओं में एजुकेशन पर 10.39 प्रतिशत, समाज कल्याण पर 9.67 प्रतिशत, हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर पर 4.72 प्रतिशत और पब्लिक हेल्थ पर 2.40 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है। आर्थिक सेवाओं पर सरकार 21.53 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है जिसमें सबसे ज्यादा एग्रीकल्चर पर 10.67 प्रतिशत रकम खर्च की जा रही है।

कंपनी में हाई प्रेशर बॉक्स फटा, दो घायल

- कंपनी की चौथी मंजिल तक टूटे शीशे
- 30 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे

फरीदाबाद। थाना क्षेत्र सदर बल्लभगढ़ के अंतर्गत आईएमटी चौकी सेक्टर-68 में शुक्रवार शाम करीब 6. 40 बजे एक कंपनी के अंदर हादसा हुआ। न्यूट्रिमेड लिमिटेड कंपनी में एक मशीन का हाई.प्रेशर बॉक्स अचानक फट गया। इस धमाके में कंपनी का कर्मचारी जसवीर घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद जसवीर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों मोहन के अनुसार धमाका इतना जोरदार था कि पूरी कंपनी में अफरा-तफरी मच गई। इस भगदड़ में एक अन्य कर्मचारी सागर को भी हल्की चोटें आई हैं। धमाके के कारण कंपनी की चौथी मंजिल पर स्थित शीशे और इंटीरियर को भी भारी नुकसान हुआ है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही आईएमटी चौकी इंचार्ज, एडिशनल एसएचओ सदर बल्लभगढ़ और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आईएमटी पुलिस चौकी प्रभारी भूपेंद्र कुमार ने बताया कि आईएमटी में न्यूट्रिमेड लिमिटेड के नाम से कंपनी है। इस कंपनी के मालिक का नाम डॉ. टी.एन. तिवारी है। इस कंपनी में बच्चों के लिए चॉकलेट, सेरेलक, हॉर्लिक्स जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं। कंपनी में करीब 35-36 कर्मचारी काम करते हैं।

हत्या कर फरार हुई महिला गिरफ्तार

फरीदाबाद। लोहे के पाइप से 31 वर्षीय युवक को मौत के घाट उतारने वाली महिला को नवीन नगर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला को 8 महीने बाद कानपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। बीते 30 जून को रोशन नगर फरीदाबाद की रहने वाली रुखसाना ने पुलिस चौकी नवीन नगर को शिकायत दी थी। जिसमें रुखसाना ने बताया कि 29 जून की शाम को वह डयूटी अपने घर पर पहुंची थी। जब वह सीढिय़ों से अपने कमरे की तरफ जा रही थी, तो उसके पड़ोसी भरत के कुत्ते ने उसके पैर को काट लिया। इसको लेकर उसके पति मोहम्मद आजाद अंसारी और पड़ोसी भरत व उसकी पत्नी पिंकी का झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान पिंकी ने उसके पति के सर पर लोहे के पाइप से कई वार कर चोट मार दी।

इलाज के दौरान मौत

रूकसाना ने बताया कि सिर में चोट लगने के कारण उसके पति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद उसने पति मोहम्मद आजाद अंसारी को ईलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन 5 दिन बाद इलाज के दौरान उसके पति की मौत हो गई। पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है।

विस सत्र : विपक्ष को करारा जवाब देने की तैयारी में सरकार

अवकाश के बाद 26 से शुरू होगी सदन की कार्रवाई, 27 को सीएम देंगे विपक्ष को जवाब

प्रश्न व शून्यकाल में विधायक उठाएंगे क्षेत्र के मुद्दे, 28 को समाप्त होगा विधानसभा सत्र

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र का आयोजन अब अंतराल के बाद 26 मार्च से होगा। सदन के नेता मुख्यमंत्री और हरियाणा के वित्त मंत्री नायब सिंह सैनी 27 मार्च को बजट पर विपक्ष के हमले का करारा जवाब देने की तैयारी में है।

विपक्ष की ओर से कब-कब कहां-कहां क्या-क्या कहा गया? और किस प्रकार के आरोप लगाए इस पर मुख्यमंत्री विस्तार से पलटवार करेंगे। इसको लेकर सरकार के अलावा अफसरों द्वारा होमवर्क किया जा रहा है। जानकारी अनुसार हरियाणा विधानसभा बजट सत्र की शुरुआत अब 26 को दोपहर दो बजे से होगी।

खास बात यह है कि विधायकों को लेकर गठित कमेटी जहां अपनी रिपोर्ट पेश करेंगी। इसके अलावा प्रश्नकाल और शून्य काल के दौरान हरियाणा के माननीय विधायक एक बार फिर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के मसले उठाएंगे। उधर, 27 मार्च को विधानसभा बजट सत्र की समाप्ति से ठीक 1 दिन पहले, बजट अनुमानों पर चर्चा की जाएगी। वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की मांगों पर वित्त मंत्री द्वारा विपक्ष के हमलो का जवाब देने की तैयारी की जा रही है।

सरकार के ऐसी तैयारी : खास बात यह है कि जिस प्रकार राज्यपाल के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री ने विस्तार से जवाब दिया था, इस प्रकार से बजट सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा किए गए, हमलों पर इस बार भी मुख्यमंत्री खासतौर पर विपक्ष कांग्रेस के सदस्यों के नाम ले लेकर आरोपों का जवाब देंगे। 28 मार्च को बचे हुए विधायी कार्यों का निपटारा करेंगे। इसके साथ ही हरियाणा विधानसभा बजट-सत्र का समापन हो जाएगा।

प्रदेश में युवा संसद का होगा आयोजन

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा बजट सत्र की समाप्ति के बाद अब युवा सांसद का आयोजन करने की तैयारी में है। खास बात यह है कि दो-तीन अप्रैल विधानसभा में युवा संसद का आयोजन किया जाएगा। राजधानी युवा संसद की ओर से आयोजित होने वाले दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर एडवोकेट जय सैनी और एडवोकेट ईशा कपूर संस्था संचालकों ने बताया कि इसमें 60 से लेकर 80 विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। पूर्व में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण के साथ बैठक के बाद इन तारीखों का फाइनल किया गया था। इसमें 18 से 22 साल के युवा विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे।

दिल्ली-जम्मू-कटरा एक्सप्रेस-वे में एंट्री एग्जिट न मिलने से गोहाना के बीस गांवों के किसान परेशान

- ग्रामीणों ने की जनप्रतिनिधियों से मांग, विधानसभा में गूंजा मामला

चंडीगढ़। केंद्र सरकार द्वारा बनाए दिल्ली-जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर बरोदा हलके के 20 गांवों के लिए कोई भी एंट्री व एग्जिट की व्यवस्था नहीं होने से लोग परेशान हो रहे हैं। बजट सत्र के दौरान बरोदा हलके के विधायक इंदुराज नरवाल ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा सरकार से पूछा कि इस एक्सप्रेस वे पर गोहाना से जींद मार्ग, गोहाना से जुलाना मार्ग तथा गोहाना से महम मार्ग पर कोई प्रवेश या निकास का प्वाइंट नहीं है। इसके जवाब में हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय राजमार्ग 352-ए के गोहाना से जींद खंड के फोर लेनिंग पर ही प्रवेश व निकास प्वांइट दिया गया है। इस समय उपरोक्त सडक़ों पर एक्सप्रेस वे से प्रवेश या निकास का कोई प्रावधान नहीं है। इसके अलावा रोहतक से पानीपत, जींद से सोनीपत राजमार्गों पर प्रवेश और निकास प्वाइंट से एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ सर्विस लेन बनाने की भी कोई योजना नहीं है।

नूंह ड्राइविंग स्कूल का मामला उठा

चंडीगढ़। आकांक्षी जिलों में शामिल नूंह में ड्राईविंग ट्रेनिंग स्कूल का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। करीब पांच साल बीत गए स्कूल पूरी तरह से शुरू नहीं हो पाया है। नूंह से विधायक आफताब अहमद ने हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान यह मुद्दा उठाकर सरकार से जवाब मांगा।आफताब अहमद ने पूछा कि नूंह के छपेड़ा गांव में प्रस्तावित चालक प्रशिक्षण स्कूल के संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं। इसका निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा। परिवहन मंत्री अनिल विज ने इस पर विस्तृत रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि नूंह के छपेड़ा में चालक प्रशिक्षण स्कूल बनाने के लिए टाटा मोर्टस को मूल उपकरण निर्माता के रूप में चुना गया है। चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान का निर्माण कार्य पूरा करने तथा इसे चलाने के लिए 2019 में एक सोसायटी का गठन किया गया है। वास्तुकार सलाहकार की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। ड्राईविंग स्कूल की चारदीवारी के काम के लिए 179.23 लाख की राशि लोक निर्माण विभाग को जारी कर दी गई है।

रोहतक
रविवार, 23 मार्च 2025
चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 29, अंक : 51
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

मौसम
अधि. 35.6
न्यून. 11.1

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

2 आईपीएल : नए नियम और नए कप्तान बदलेंगे मैचों का रुख, 7 टीमों में नए खिलाड़ी पर भरोसा

परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री ने वीडियो प्रेजेंटेशन देखी

अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन को 300 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा रि-डिजाइन, पहले चरण में मिलेंगे 100 करोड़

अनिल विज ने डीआरएम की गैर-मौजूदगी पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के एयरपोर्ट की तर्ज अब 300 करोड़ की लागत से अंबाला छावनी के रेलवे स्टेशन को भी रि डिजाइन किया जाएगा। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि स्टेशन को लेकर 300 करोड़ रुपए की लागत से अलग-अलग चरणों में रि-डिजाइन किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने समीक्षा बैठक में रेलवे के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टेशन पर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं मिले इसका पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने रेलवे स्टेशन को आधुनिक स्टेशन के तौर पर विकसित करने के लिए अपने सुझाव भी दिए। विज शनिवार को अंबाला छावनी में चल रहे विकास कार्यों को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अध्यक्षता की रहे थे।

विकास योजनाओं की जानकारी लेते परिवहन मंत्री

कार्यों को जल्द पूरा करने के दिशा-निर्देश: बैठक में कैबिनेट मंत्री ने अलग-अलग विभागों के अधिकारियों से उनके विभागों के संबंधित विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। कुछ कार्यों में देरी होने पर उन्होंने नाराजगी जताई तथा इन कार्यों को जल्द पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मौजूद रेलवे अधिकारियों ने स्टेशन को आधुनिक स्टेशन के रूप में विकसित करने संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि स्टेशन को लेकर 300 करोड़ रुपए की लागत से अलग-अलग चरणों में रि-डिजाइन किया जाएगा। पहले फेज में 100 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान है।

विज को वीडियो प्रेजेंटेशन दिखाई गई

वर्ष 2060 को लक्ष्य लेकर स्टेशन को रि-डिजाइन किया जाएगा जिसमें स्टेशन पर प्लेटफार्मों का विस्तार व उन्हें चौड़ा करने, स्टेशन पर लिफ्टों की संख्या बढ़ाने, पार्किंग व्यवस्था में सुधार, रेलवे स्टेशन से बाहर आने-जाने के रास्ते में सुधार एवं अन्य कार्य शामिल हैं। इस संबंध में वीडियो प्रेजेंटेशन भी मंत्री अनिल विज को दिखाई गई। विज ने रेलवे से जुड़ी अन्य परियोजाएं जिनमें मच्छौंडा रेलवे ओवर ब्रिज, फ्रेट टर्मिनल व अन्य विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की। बैठक में डीआरएम के नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताई। उन्होंने सिंचाई विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों को मुख्य नालों की सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने महेशनगर ड्रेन, गुडगुडिया नाले में सफाई करने तथा शहरी क्षेत्र से बाहर गुडगुडिया नाले को चौड़ा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग को बरसातों से पहले महेशनगर पंप हाउस पर पूरी कार्य प्रणाली को चेक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा बरसातों के समय पंप हाउस से पानी ठीक प्रकार से टांगरी नदी में जाए यह पूरी तरह सुनिश्चित किया जाए।

इन योजनाओं की भी ली जानकारी

- रेलवे रोड पर मल्टी लेवल कार पार्किंग में लिफ्ट व अन्य प्रावधान।
- साहा से पंचकूला हाईवे तक सिंगल रोड को फोरलेन बनाने।
- रिंग रोड के निर्माण की प्रगति बारे जानकारी ली जोकि 50 प्रतिशत बन चुकी है।
- बब्याल रोड के शेष हिस्से के निर्माण को जल्द प्रारंभ करने।
- छावनी में सीवरेज लाइन डालने का कार्य।
- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से नग्गल में एनसीडीसी स्थापना
- चंदपुरा में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर चर्चा।
- फ्रेट कॉरिडोर रेलवे लाइन के साथ-साथ रंगिया मंडी से जीटी रोड तक रोड का निर्माण।
- परिवहन विभाग अधिकारियों से लोकल बस सेवा को लेकर चर्चा।
- नहरी पानी योजना के तहत छावनी में विभिन्न स्थानों पर बूस्टर की क्षमता व संख्या बढ़ाने।
- नाइट फूड स्ट्रीट के निर्माण को लेकर चर्चा
- बैंक स्क्वेयर में शेष कार्य को जल्द पूरा करने को लेकर चर्चा।

1857 के शहीदों की याद में शहीदी स्मारक बनाया जा रहा

विज ने नगर परिषद द्वारा गुडगुडिया नाले पर 12 क्रास रोड व कबाड़ी बाजार में बनाई जा रही पुलिया का निर्माण कार्य धीमा होने पर नाराजगी जताई। रेलवे स्टेशन अम्बाला छावनी से टांगरी नदी तक जीटी रोड पर फैंसी लाईट लगाने के साथ-साथ डिवाईडर पर बेहतरीन पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जीटी रोड पर 1857 के शहीदों की याद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का शहीदी स्मारक बनाया जा रहा है।

सिरसा में नकली अंग्रेजी शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़, पांच दबोचे

सवा करोड़ की 1638 पेटी अंग्रेजी शराब और बीयर की खेप बरामद

- ढाणी में लगा रखी थी मशीन पेटियां पर कंपनियों के लेबल

सिरसा। पुलिस द्वारा पकड़ी गई शराब तथा पकड़े गए आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सीआईए सिरसा पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर गांव रुपाणा बिश्नोई क्षेत्र में अंग्रेजी शराब की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड कर कैंटर व पिकअप गाडियों मे भरी करीब एक करोड़ 25 लाख रुपए की 1638 पेटी अंग्रेजी व बीयर शराब का जखीरा बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सीआईए सिरसा पुलिस टीम के प्रभारी उप निरीक्षक प्रेम कुमार की टीम को एक महत्वपूर्ण सूचना मिली थी कि शक्कर मंदोरी रोड रुपाणा बिश्नोई क्षेत्र में प्लाट के अंदर अवैध शराब का भरा हुआ ट्रक व पिकअप गाड़ी खड़ी है तथा आरोपी उक्त शराब को सप्लाई करने के फिराक में है। उन्होंने बताया कि पुलिस पार्टी ने उक्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम को मौका पर बुलाकर कार्यवाही करते हुए उक्त स्थान पर दबिश देकर शराब से भरा कैंटर व एक पिकअप गाड़ी को काबू कर वहां पर मौजूद लोगों से शराब रखने का परमिट व लाइसेंस दिखाने की मांग की गई तो किसी प्रकार का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों गाडियों को कब्जे में लेकर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली गई तो गाडियों में से 868 पेटी अंग्रेजी शराब तथा 770 पेटी बीयर सहित कुल 1638 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान बंसीलाल पुत्र मनफुल, अनुप पुत्र कृष्ण कुमार, विकास पुत्र अतर सिंह निवासी रुपाणा बिश्नोईयान, अरुण पुत्र अन्नतराम निवासी नवादा जिला उन्नाव हाल भट्टू कलां व रामशंकर पुत्र बद्रीप्रसाद निवासी नेवल जिला उन्नाव हाल भट्टू कलां के रुप में हुई है।

मशीन, लेबल, होलोग्राम खाली बोतलें मिली

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जब प्लाट के अंदर बने मकानों में जाकर पुलिस टीम व आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बारीकी से तलाशी ली तो वहां से नकली अंग्रेजी शराब बनाने की मशीन, लेबल, होलोग्राम तथा खाली बोतलें भी बरामद हुई है, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि वहां पर नकली शराब भी तैयार की जा रही थी। पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ थाना नाथूसरी चोपटा में आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

गुजरात में सप्लाई की जानी थी शराब

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि कुछ शराब पंजाब से भी लेकर आए थे और शराब को गुजरात में सप्लाई किया जाना था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के दौरान शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नहर में गिरने से 4.5 साल के मासूम की मौत

बावल। मोती की ढाणी के पास करीब साढ़े 4 साल की बच्ची की जवाहरलाल नेहरू नहर में गिरने से डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। यूपी के सीतापुर का रहने वाला सरोज कुमार एक कंपनी के आउटलेट पर कार्य करता है। वह मोती की ढाणी में किराए के मकान में रहता है। ढाणी से कुछ दूर ही नहर पड़ती है। उसकी साढ़े 4 साल की बेटी सौम्या खेलते-खेलते नहर के पास चली गई। वहां पैर फिसलने से वह नहर में गिर में गिर गई। पुलिस ने लोगों की मदद से बच्ची की तलाश शुरू की। बाद में उसका शव मिल गया।

यूएस भेजने के मामले में दूसरा आरोपी काबू

कैथल। अमेरिका भेजने के सब्जबाग दिखाकर विदेश में युवक को बंधक बनाने तथा लाखों रुपए ऐंठने के मामले में इकनॉमिक सैल के एएसआई महेंद्र सिंह की टीम द्वारा आरोपी गांव हसनपुर जिला कुरुक्षेत्र निवासी नवनीत सिंह उर्फ माइकल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव मोहना निवासी कुलदीप की शिकायत अनुसार जून 2024 में मोहना गांव में उसकी मुलाकात दुसैन निवासी नवजोत सिंह से हुए। नवजोत सिंह ने कहा कि मै रजिस्टर्ड ट्रैवल एजेंट हु तथा हम एक नंबर में डायरेक्ट अमेरिका भेजते है।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Ms. Ravleen Kaur
Civil Judge (Junior Division), Rohtak
BIMLA D/O SHER SINGH
Vs.
SHRI KRISHAN S/O RATI RAM
CNR No. HRRH02-001010-2020
Next Date : 28.05.2025

It is, therefore, prayed that the decree for separate possession by way of partition of the suit land mentioned in para no. 1

PUBLICATION ISSUED TO :-
1. Shri Krishan S/O Rati Ram S/o Pyare Lal R/o H.No.115/15 Prem Nagar, ROHTAK. 2. Abhinandan S/o Balwantrai Jain R/O Delhi. 3. Raghnath Sahay s/o Shikhar Chand R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak 4. Bishamber Nath S/O Shikhar Chand R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak 5. Raghvar Dayal S/O Devi Sahaya R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak 6. Bishamber Dayal S/o Devi Sahaya R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak 7. Chandrawati Wd/o Lal Chand R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak 8. Kishore Chand S/o o Lal Chand R/O Sukhpura Byepass Road Rohtak. 9. Kailash Chander S/o o Lal Chand R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 10. Shamo Devi D/o Ghasi Ram S/o Sultan R/o VPO Bohar Tehsil & District Rohtak. 11. Diwan Singh S/o Ram Sawrup S/o Bihari VPO Bohar Tehsil & District Rohtak. 12. Sunder Lal s/o Molad VPO Bohar Tehsil & District Rohtak. 13. Ram Saran s/0 Shadi Sehaj Ram R/O Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 14. Shibu S/o Shadi Sehaj Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 15. Kapoor Singh S/o Jai Lal R/o village Chamaria District Rohtak. 16. Partap S/o Jai Lal R/o village Chamaria District Rohtak. 17. Ujala S/o Jai Lal R/o village Chamaria District Rohtak. 18. Ramkishan s/o Jai Lal R/o village Chamaria District Rohtak. 19. Laxmi Narain S/o Jai Lal R/o village Chamaria District Rohtak. 20. Ghasi Ram S/o Ram Sarup R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 21. Dalip S/o Kalu Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 22. Rattan S/o Kalu Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 23. Gindori D/o Kalu Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 24. Shanti D/o Kalu Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 25. Bharat Singh S/o Kali Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 26. Ram Kishan S/o Kali Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 27. Har Narain S/o Bobda R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 28. Kheti S/o Bobda R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 29. Mange S/o Mam Chand R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 30. Deep Chand S/o Hansraj R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 31. Soni D/o Hansraj R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 32. Chandgi S/o Ram Charan R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 33. Dhankaur Wd/o Ram Sarup R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 34. Ranjit S/o Sukh Lal R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 35. Ram Parkash s/o Sukh Lal R/o Sukhpura Byepass Rcad, Rohtak. 36. Dalip adopted S/o Kishori Lal R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 37. Kariya Devi Wd/o Ram Parsad R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 38. Chalti D/o Ram Parsad R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 39. Chandrawati D/o Ram Parsad R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 40. Rai Singh S/o0 Ram Parsad R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 41. Jagat S/o Ram Nath R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 42. Chet Ram S/o Ram Nath R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 43. Maha Ram S/o Ram Nath R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 44. Rajo Wd/o Har Gulal R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 45. Ram Kaur Wd/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 46. Maha Devi D/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 47. Sheela Devi D/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In fron: of Saini High School, Rohtak. 48. Nirmala Devi D/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 49. Laxmi Devi D/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 50. Khazan Singh S/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 51. Harbans Singh S/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak.52. Ashok S/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 53. Ashwani S/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 54. Indrawati D/o Anup Singh R/o Sukhpura Byepass Road, In front of Saini High School, Rohtak. 55. Nathni Devi W/o Ram Kumar S/o Mange Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 56. Jagdish S/o Nathu Singh S/o Lakhi Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 57. Krishna D/o Chandgi Ram R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 58. Phool Kawar S/o Chandgi Ram, Sukhpura Byepass Road, Rohtak R/o H. No. 515, Prem Nagar 59. Richpal S/o Shadi R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 60 Ram Kishan S/o. Shadi R/o Sukhpura Byepass Road, Rohtak. 61. Phool Kuwar S/o Khyali R/o Sukhpura Tehsil & District Rohtak. 62. Jitender s/o Mahender R/o Durga Colony, Near Scholar Rosary Play School Rohtak. 63. Pinki s/o Mahender R/o Durga Colony, Near Scholar Rosary Play School Rohtak. 64. Hoshiyari w/o Mahender R/o Durga Colony Near Scholar Rosary Play School Rohtak. 65. Krishan S/o Sardara R/o Sukhpura Byepass Tehsil District Rohtak.

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **28.05.2025 at 10:00 a.m.**

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak

Sd/- Civil Judge (Junior Division), Rohtak
Dated, this day of 19.03.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Sh. Amit
Civil Judge Junior Division- III, Sirsa
KANTA DEVI
Vs.
JAGDISH
CNR No. HRSI02-000838-2024
CS-636-2024
Next Date : 18.04.2025

Suit for declaration to the effect that the plaintiffs are in possession of one Gair mumkin plot measuring 1 kanal, 07 marts comprised in Khasra No. 63/8/3 (1-7), khewat No. 471, Khatuni No. 711, as per the Jamabandi 2021 22, read with Fard Badar No. 15/07.06.2024 situated in village Sirsa, as its owners, in equal shares, for the last more than 100 years continuously and regularly till today, as owners (including the possession of the fore fathers of the plaintiffs) and the defendant has no concern or connection, whatsoever, in this plot in suit and he has never been in possession of this plot in suit at any time and in any capacity, whatsoever and that the possession of the plaintiffs on the above said plot is legal and lawful and the entries in the revenue record showing the defedants to be in possession of the above said plot in suit as Gair marusi, are wrong, illegal, against law and facts and the same are Gable to be corrected and changed in favour of the plaintiffs and accordingly the plaintiffs are entitled to get themselves so recurded in the revenue record ie jamabadi and khasra Girdawari etc. and as a consequential relief for injunction restraining the defendant from interfearing, in any manner, into the possession of the plaintiffs on the above said property, till the final decision of this suit on the basis of evidence of evary kind oral and documentary

PUBLICATION ISSUED TO :-
JAGDISH S/O JEE SUKH S/O HANUMAN R/O RANIA ROAD, SIRSA, TEHSIL AND DISTRICT SIRSA

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **18.04.2025 at 10:00 a.m.**

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Sirsa

Sd/- Civil Judge Junior Division- III, Sirsa
Dated, this day of 18.03.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Arya Sharma
Additional Principal Judge, Family Court, Rohtak
Preeti D/o Satish
Vs.
Shivani W/o Soni Kumar
CNR No. HRRH01-006106-2024
GW/46/2024
Next Date : 07.05.2025

PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **07.05.2025 at 10:00 a.m.**

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak

Sd/- Additional Principal Judge, Family Court, Rohtak
Dated, this day of 17.03.2025

वीडियो कॉल पर धमकी देकर एक लाख रुपये खातों में डलवाई

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र के कोर्ट मोहल्ला निवासी युवक से वीडियो कॉल करके एक लाख से ज्यादा की राशि ऐंठने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोहल्ला निवासी चंद्र ने बताया कि 30 जनवरी को उसके पास सोशल अकाउंट पर वीडियो कॉल आई। जिसमें उसे डरा धमकाकर दो अलग-अलग खातों में एक लाख से ज्यादा की राशि को ट्रांसफर करवा लिया। उसने अपने स्तर पर खातों की जानकारी ली। उसके बाद मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी।

जींद में निवेश का झांसा देकर कोऑपरेटिव सोसायटी ने निवेशकों के हड़पे लाखों रुपये

आरोपितों में दो बॉलीवुड के कलाकार जबकि दो आरोपित दुबई में बैठे

- 15 निवेशकों को लगाया चूना

जींद। कोऑपरेटिव सोसायटी में निवेश करने पर अच्छा खासा मुनाफे का झांसा देकर निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि सोसायटी के एम्बेसडर बॉलीवुड स्टार श्रेयस तलपड़े तथा आलोक नाथ रहे हैं। जुलाना थाना पुलिस ने 15 निवेशकों के 86 लाख 36 हजार रुपये हड़पने पर ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी सीएमडी समेत कुछ अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में बताया गया है कि सोसायटी ने मल्टी लेवल मार्केटिंग के सिस्टम पर काम करते हुए करोड़ों रुपये का निवेश जुटाया और अंत में कंपनी लोगों के निवेश को लेकर फरार हो गई। जुलाना थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव छपरा जिला सोनीपत निवासी जसवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड जुलाना शाखा में उसके जानकारी समेत 15 लोगों ने 86 लाख 36 हजार रुपये का निवेश किया था। मैच्योरिटी पूरी होने के बाद राशि को वापस नहीं लौटाया गया।

- बॉलीवुड स्टार श्रेयस तलपड़े, आलोक नाथ रहे हैं सोसायटी के ब्रांड एंबेसडर

चिकित्सा

बिना बताए शराब, अफीम, सिगरेट छुड़ाएं
दमा, खांसी, नजला, मोटापा होना, कमजोरी, पेट के रोगों व मोटापे का देसी ईलाज।
हमराज़ क्लीनिक
11am-5pm Ph: 9811301362
1936, फव्वारा, चाँदनी चौक, दिल्ली - 110006
F-23/101, अवन्तिका चौक, सैक्टर - 3, रोहिणी, दिल्ली - 85
Ph: 9811301362, 9999301362
10am - 9pm

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जिला खाद्य एंव पूर्ति नियन्त्रक, रोहतक

{वर्ष 2025-2026 हेतु पुन: परिवहन व श्रम-बुलाई कार्य हेतु अनुबन्ध के लिए ई-निविदा सूचना}

Short Term-E-Tenders are invited as per Director Food, Civil Supplies and Consumer Affairs, Haryana, Chandigarh direction vide Letter No. MP-1/3/2025/2663 & 2668 dated: 13.02.2025 for Transportation and Labour & Cartage Work in single stage two cover system i.e. Fee/Pre-Qualification/Technical Bid and Financial Bid-BOQ on website https://etenders.hry.nic.in as per schedule given below:-

TENDER NOTICE

SR. NO.	NAME OF DEPARTMENT/ BOARD/CORP./AUTH	NAME OF WORK/ NOTICE/ TENDER	OPENING DATE CLOSING DATE (TIME)	WEBSITE OF THE DEPARTMENT/ BOARD / CORP.AUTH	NODAL OFFICER/ CONTACT DETAILS/EMAIL	TENDER REF.NO/ TENDER NO
1	Food, Civil Supplies & Consumer Affairs Department, Haryana	Transportation work	22.03.2025 5:00 PM 26.03.2025 3:00 PM	https://etenders.hry.nic.in https://haryanafood.gov.in	Varinder Singh, DFSC dfscroh@hry.nic.in	MTC
2.	Food, Civil Supplies & Consumer Affairs Department, Haryana	Labour & Cartage work	22.03.2025 5:00 PM 26.03.2025 3:00 PM	https://etenders.hry.nic.in https://haryanafood.gov.in	Varinder Singh, DFSC dfscroh@hry.nic.in	MLC

Note: For any assistance/query push contact button on website https://etenders.hry.nic.in

Sd/- (Varinder Singh)
District Food & Supplies Controller, Rohtak

राशिफल

मेष — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। धर्म के प्रति श्रद्धा रहेगी।

वृष — कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

मिथुन — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। पिता का साथ मिलेगा। खर्च बढ़ेंगे। बातचीत में संयत रहें।

कर्क — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मन लगेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। मन में उतार-चढ़ाव के भाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भागदौड़ अधिक रहेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

कन्या — शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी।

तुला — क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — धैर्यशीलता बनाए रखें। भाई-बहनों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ सकती है।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

कुंभ — कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों की अधिकता रहेगी। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 5813

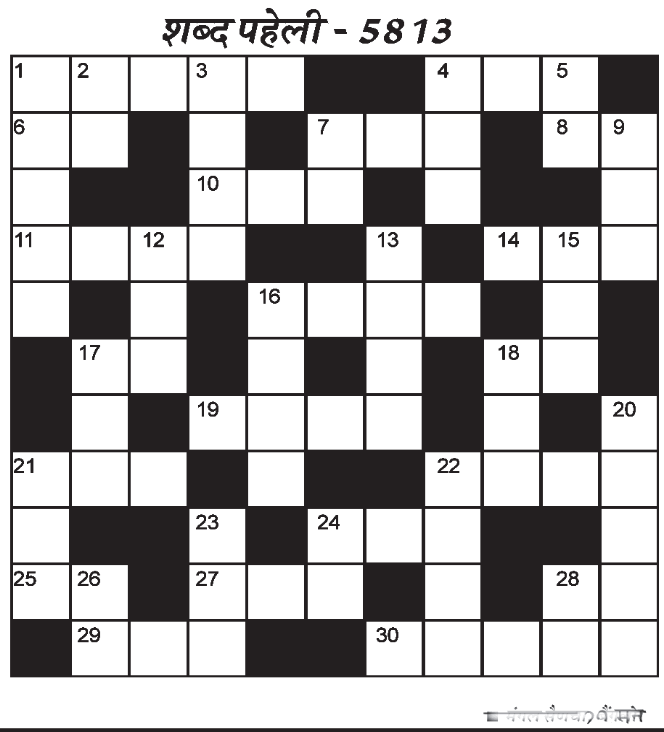

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-5812 का हल

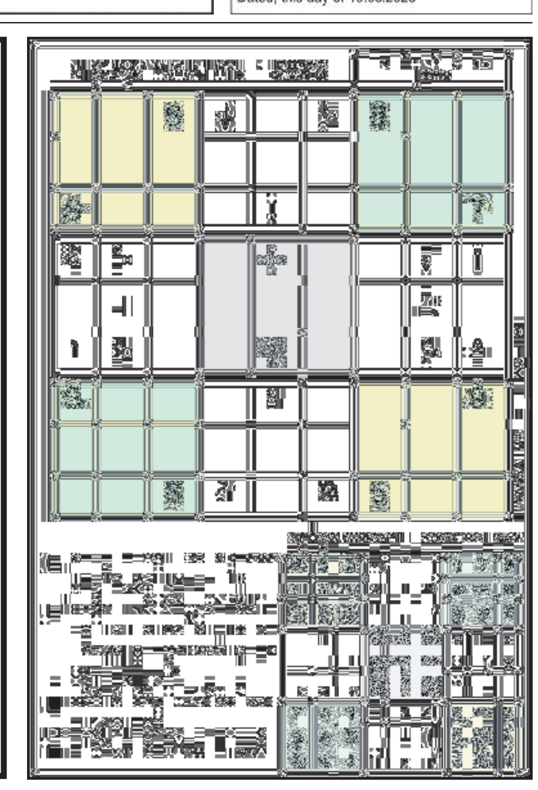

रोहतक

रविवार, 23 मार्च 2025

चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 29, अंक : 51
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 34.1
न्यून. 12.8

7 नागपुर हिंसा से हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों से की जाएगी : देवेन्द्र फडणवीस

खबर संक्षेप

साहित्यकार विनोद को मिलेगा ज्ञानपीठ अवार्ड

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। भारतीय ज्ञानपीठ ने यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए इस सम्मान के वास्ते चुना गया है। वह हिंदी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। भाषा

नाइजर में हमले में 44 नागरिकों की मौत

डकार। नाइजर के पश्चिमी हिस्से में एक गांव पर एक जिहादी संगठन के हमले में 44 नागरिकों की मौत हुई है। देश के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि माली और बुर्किना फासो की सीमा से सटे कोकोरू ग्रामीण क्षेत्र के फाम्बिता गांव में शुक्रवार दोपहर यह हमला हुआ। उसने इस हमले के लिए 'इस्लामिक स्टेट इन ग्रेट सहारा या ईआईजीएस' को जिम्मेदार ठहराया है। भाषा

1008 कुंडीय महायज्ञ : बासी खाने को लेकर झगड़ा, कई घायल

कुरुक्षेत्र में महायज्ञ में आए ब्राह्मणों पर फायरिंग, तोड़फोड़ और पथराव

निजी सुरक्षा कर्मियों ने की फायरिंग लखनऊ का एक ब्राह्मण घायल

ब्राह्मणों ने यज्ञशाला का मुख्य द्वार तोड़ा थीम पार्क के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड जाम

त्रिपुरा शक्तिपीठ मणिकुट के श्री श्री 1008 स्वामी हरिओम दास करवा रहे थे महायज्ञ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में 18 मार्च से चल रहे 1008 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ के दौरान ब्राह्मणों को बासी खाना परोसने पर विवाद हो गया। इस दौरान निजी सुरक्षा कर्मी ने फायरिंग कर दी। इसमें लखनऊ से आए ब्राह्मण आशीष तिवारी को गोली लग गई। इसके बाद ब्राह्मण भड़क गए। ब्राह्मणों और आयोजकों की और हायर किए गए निजी एजेंसी के सुरक्षा कर्मियों के बीच जमकर मारपीट हुई। विवाद में लखीमपुर के रहने वाले प्रिंस शुक्ला भी जख्मी हो गए। इसके बाद ब्राह्मण यज्ञशाला से बाहर निकले और तोड़फोड़ और पथराव शुरू कर दिया। गुस्साए ब्राह्मणों ने यज्ञशाला का मुख्य द्वार भी तोड़ दिया। डंडे-पत्थरों से रोड पर लगे बैनर-होर्डिंग भी फाड़ दिए। फिर उन्होंने थीम पार्क के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड पर जाम लगा दिया। यहां करीब डेढ़ घंटे जाम रहा। लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इसलिए भड़का विवाद

त्रिपुरा शक्तिपीठ, मणिकुट के श्री श्री 1008 स्वामी हरिओम द्वारा कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में 1008 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ करवाया जा रहा है। इसमें देशभर से ब्राह्मण भाग ले रहे हैं। शनिवार को उस समय विवाद हो गया जब केशव पार्क के सामने एक धर्मशाला में सुबह खाना खा रहे ब्राह्मणों ने बदबू वाली खिचड़ी (बासी भोजन) परोसने की शिकायत की। इस पर विवाद इतना बढ़ा कि एक निजी सुरक्षा कर्मी ने ब्राह्मणों पर फायरिंग कर दी। इसमें एक ब्राह्मण घायल हो गया।

लाठियों से मारपीट

जब सभी ब्राह्मण एकत्रित होकर केशव पार्क में मौजूद यज्ञ सम्राट स्वामी हरिओम दास के साथ बातचीत करने के लिए जा रहे थे तो वहां मौजूद निजी सुरक्षा कर्मियों ने ब्राह्मणों के साथ लाठियों से मारपीट की। इनमें से एक सुरक्षा कर्मी ने गोलियां चला दी। मौके पर दो राउंड फायर किए गए, जिनमें से ब्राह्मण आशीष तिवारी निवासी लखनऊ की जांघ में गोली लगी। एक ब्राहमण लखीमपुरी खीरी निवासी प्रिंस के सिर पर पत्थर लगने की वजह से घायल हुआ। वहीं, कई अन्य ब्राह्मण भी घायल हैं। घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। दोनों घायल खतरे से बाहर है। गुस्साए ब्राह्मणों ने जमकर हंगामा किया और तोड़फोड़ भी की।

यज्ञ सम्राट स्वामी हरिओम बोले, यह यज्ञ जारी रहेगा

यज्ञ सम्राट स्वामी हरिओम दास ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। कुछ षड्यंत्रकारी यज्ञ को नष्ट करना चाहते हैं। 4 दिन से धर्मशाला में अच्छे से अच्छा भंडारा दिया जा रहा है, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ। यदि खाना गलत होता तो सैंकड़ों ब्राह्मण यज्ञ नहीं कर रहे होते। यह यज्ञ जारी रहेगा, जब तक उनकी सांस है यज्ञ चलेगा।

केशव पार्क में 27 मार्च तक चलेगा महायज्ञ

यज्ञ सम्राट हरिओम जी महाराज ने कहा कि यज्ञ जारी रहेगा। धर्मनगरी के केशव पार्क में 18 मार्च से 27 मार्च तक 1008 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन होगा। यज्ञ सम्राट हरिओम जी महाराज देशभर के 24 राज्यों में अब तक 101 महायज्ञ कर चुके हैं, इनका संकल्प भारतवर्ष 108 महायज्ञ करने का है। कुरुक्षेत्र में आयोजित महायज्ञ 102वां महायज्ञ होगा। 26 मार्च को केशव पार्क में धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। शाम 5 से 7:30 बजे तक आयोजित होने वाली धर्म संसद में देश भर के असंख्य संत, महापुरुष हिस्सा लेंगे। यज्ञ में 1200 ब्राह्मण रोजाना यज्ञ में आहुतियां डाल रहे हैं।

शहर में सुरक्षा कड़ी

शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। यज्ञशाला में उज्जैन, बनारस, वृंदावन, लखनऊ, लखीमपुर, दमोह से भी ब्राह्मण यहां आए हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि एक ब्राह्मण को गोली, दूसरे को पत्थर लगा है। गोली चलाने वाले आरोपित सुरक्षाकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपित दिल्ली पुलिस से बर्खास्त सिपाही रॉबिन है। वह बहुचर्चित पेपर लीक कांड मामले का मास्टरमाइंड है। सोनीपत का रोबिन साथी बाउंसरों को लेकर यज्ञ में आया था।

कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में एनआईए का खुलासा

चंडीगढ़ में पाकिस्तान के हैंड ग्रेनेड से हुआ हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ सेक्टर-10 की कोठी नंबर-575 में हुए हैंड ग्रेनेड बम धमाके के तार पाकिस्तान से जुड़ते नजर आ रहे हैं। इसका खुलासा एनआईए ने स्पेशल कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में हुआ है। एनआईए का कहना है कि हमले में प्रयोग किया गया हैंड ग्रेनेड एचजी-84 पाकिस्तान में बना था। जांच एजेंसी ने इस मामले में पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और यूएसए बेस्ड गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को मास्टरमाइंड बताया है, जिन्होंने इस वारदात को अंजाम दिलवाया। अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी।

सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम रिपोर्ट की जांच के बाद कार्रवाई करेगा

रिटायर्ड एसपी की थी कोठी

चार्जशीट के मुताबिक, 10 सितंबर की शाम करीब 6 बजे दो अज्ञात बदमाश ऑटो में आए और कोठी नंबर-575 में हैंड ग्रेनेड फेंककर धमाका कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह कोठी पंजाब पुलिस के रिटायर्ड एसपी जसकीरत सिंह चहल की थी, जो कुछ साल पहले तक यहां रहते थे। हमलावरों का मकसद चहल को निशाना बनाना था, लेकिन घटना के समय वह कोठी में मौजूद नहीं थे।

जज के घर कैश की जांच शुरू, 3 सदस्यीय कमेटी गठित, इंटरनल इन्क्वायरी रिपोर्ट भी सार्वजनिक

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से 15 करोड़ कैश मिलने के मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने 21 मार्च को इंटरनल इन्क्वायरी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई संजीव खन्ना को सौंपी थी। शनिवार शाम सीजेआई ने जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट चीफ जस्टिस से जस्टिस वर्मा को कोई भी काम न सौंपने को कहा है। शनिवार देर रात रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया गया। जस्टिस वर्मा के घर से मिले कैश की तस्वीरें सार्वजनिक हो गई हैं। जस्टिस वर्मा के बंगले पर 14 मार्च की रात आग लगने के बाद कैश बरामद हुआ था। इसके बाद फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग ने कहा था कि उनकी टीम को कोई कैश नहीं मिला था।

कैश की तस्वीरें सामने आईं, अधजली बोरियों में दिखे 500 के बंडल दिखे

चीफ जस्टिस उपाध्याय ने इंटरनल इन्क्वायरी के बाद सुप्रीम कोर्ट को 21 मार्च को रिपोर्ट सौंपी थी। 22 मार्च की देर रात सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है। इसके साथ तीन तस्वीरें भी जारी की गई हैं। इसमें 500 रुपये के जले हुए नोटों के बंडल दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि, 14 मार्च को जस्टिस के घर आग लगने के बाद फायर की टीम वहां पहुंची थीं। आग पर काबू पाने के बाद 4-5 अधजली बोरियां मिलीं, उनके अंदर नोट भरे हुए थे।

मुझे फंसाया जा रहा : जस्टिस वर्मा

रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा का पक्ष भी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस स्टोर रूम में नोटों की गड्डियां मिलने की बात की जा रही है वहां उन्होंने या उनके परिवार ने कभी कोई पैसा नहीं रखा। वो एक ऐसी खुली जगह है जहां हर किसी का आना जाना होता है। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है। वहीं बताया जा रहा है कि इससे पहले भी एक घोटाले के मामले में जस्टिस वर्मा का नाम आया था।

आईपीएल का रंगारंग आगाज

60 हजार दर्शकों में दिखा रोमांच...

दिशा पटानी, श्रेया घोषाल ने लूटी महफिल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 60 हजार दर्शकों के बीच आईपीएल के 18वें सीजन की रंगारंग शुरुआत हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से पहले ईडन गार्डन्स पर ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। मैच से पहले ओपनिंग सेरमनी में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ ही बॉलीवुड के कई कलाकार नजर आए। दिशा पाटनी के डांस मूव पर फैंस क्रेजी नजर आए। दिशा पाटनी के बाद पंजाबी सिंगर करण औजला स्टेज पर पहुंचे। उन्होंने अपने गानों से धूम मचा दी। करण ने जैसे ही 'हुस्न तेरा तौबा-तौबा' गाया दर्शक झूम उठे। इसके साथ ही उन्होंने वेवी और साफ्टली भी गाया। इसके बाद श्रेया घोषाल के बाद दिशा पाटनी स्टेज पर पहुंचीं। दिशा ने अपने शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी। टू पीस में दिखा ने अपनी फिल्मों की गानें पर जोरदार डांस किया। अपने स्टेप्स से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।

शाहरुख ने की शुरुआत

आईपीएल 2025 के ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत शाहरुख खान ने की। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मालिक भी हैं। शाहरुख खान ने आईपीएल को लेकर कई प्रेरणादायक बातें कहीं। शाहरुख खुद भी पहले सीजन से आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने ही परफॉर्म करने वाले आर्टिस्ट का नाम भी अनाउंस किया।

रॉयल्स और सनराइजर्स में दावेदार की जंग आज

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अपनी दमदार बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाजों की उपस्थिति में सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। सनराइजर्स के पास दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं। इनमें ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन शामिल हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं। सनराइजर्स के पास गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा संभालेंगे।

मुंबई के सामने होगी चेन्नई की स्पिन चुनौती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के दम पर रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस पर शिकंजा कसने की कोशिश करेगा। मुंबई की टीम इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगी और ऐसे में उसे एम ए चिदंबरम स्टेडियम की स्पिनरों की मददगार पिच पर कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। पांच बार के चैंपियन चेन्नई ने यहां की पिच का व्यवहार देखते हुए पिछले साल मेगा नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा को अपनी टीम से जोड़कर अपने स्पिन आक्रमण को मजबूत किया। टीम के पास पहले से ही अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा थे।

कोहली और सॉल्ट के अर्धशतकों से आरसीबी ने केकेआर को रौंदा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

क्रुणाल पंड्या और जोस हेजलवुड की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 59) और फिल सॉल्ट (56) की आक्रामक बल्लेबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सत्र के शुरूआती मुकाबले में गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर 22 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दर्ज की कप्तान अजिंक्य रहाणे की 31 गेंद में 56 रन की पारी के बावजूद केकेआर की टीम आठ विकेट पर 174 रन ही बना सकी। आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। कोहली ने 36 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाकर एक छोर संभाले रखा तो वहीं दूसरे छोर से उन्हें सॉल्ट और कप्तान रजत पाटीदार का अच्छा साथ मिला। सॉल्ट ने 31 गेंद की पारी में नौ चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 95 रन की साझेदारी कर आसीबी को शानदार शुरुआत दिलायी। पाटीदार ने 16 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाये जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने पांच गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 15 रन बनाये। रहाणे ने केकेआर की कप्तानी में शानदार शुरुआत करते हुए 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

■ क्रुणाल पंड्या तीन विकेट लेकर बने मैन ऑफ द मैच

भारत के लिए अपना पिछला टी20 मैच 2016 में खेलने वाले 36 वर्षीय अनुभवी रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह केकेआर का कप्तान बनाया गया है। उन्होंने 31 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के की मदद से 56 रनों की बेखौफ पारी खेली। सुनील नारायण ने 26 गेंद में 44 रन की पारी के साथ उनका शानदार साथ दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 10 रन प्रति ओवर से अधिक की गति से 55 गेंद में 103 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

अल्फिया और मनदीप ने बैडमिंटन में स्वर्ण जीता

अवनी को निशानेबाजी में गोल्ड मेडल

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

पदार्पण कर रही अल्फिया जेम्स और मंदीप कौर ने अपने-अपने वर्ग में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरीं जबकि पैरालंपिक पदक विजेताओं ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को खेलो इंडिया पैरा खेल (केआईपीजी) के तीसरे दिन शीर्ष स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट के तीसरे दिन के अंत तक एथलेटिक्स, बैडमिंटन और शूटिंग में 88 स्वर्ण पदक तय हो चुके थे। तमिलनाडु ने 19 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बरकरार है। हरियाणा 14 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे जबकि राजस्थान 11 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश 10 स्वर्ण पदकों के साथ चौथे स्थान पर है।
प्रतियोगिता के तीसरे दिन सबसे ज्यादा ध्यान बैडमिंटन पर था। भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में अपने-अपने वर्ग में दबदबा कायम रखा। पेरिस स्वर्ण पदक विजेता नितेश कुमार, तोक्यो (ओलंपिक) स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर, पेरिस कांस्य पदक विजेता मनीषा रामदास और 13 बार के राष्ट्रीय चैंपियन संजीव कुमार यहां चैंपियन बनें। केरल की 21 वर्षीय व्हीलचेयर खिलाड़ी अल्फिया और उत्तराखंड की मंदीप ने हालांकि अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी। बी.कॉम की छात्रा अल्फिया के पिता का 2010 में निधन हो गया था। तब से उसे अपने भाई और मां का साथ मिल रहा है।

बास्केटबॉल खिलाड़ी के रूप में शुरुआत करने वाली अल्फिया को 2017 में रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी। लगभग पांच साल बाद, उसने अपनी खेल यात्रा फिर से शुरू की और पैरा बैडमिंटन खेलना शुरू किया। हाल ही में स्पेन में एक प्रतियोगिता जीतने के बाद उसने खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वर्णिम शुरुआत की। आर्म-रेसलिंग में तीन बार की राष्ट्रीय चैंपियन मंदीप ने खेल के प्रति अपने प्यार के कारण बैडमिंटन को चुना और इस खेल में अपार सफलता हासिल की।

रोहतक
रविवार, 23 मार्च 2025
चैत्र मास कृष्ण पक्ष, नवमी वर्ष : 29, अंक : 51
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 34.1
न्यून. 12.8

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

8 बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों का हिंदुओं पर अत्याचार चिंता का विषय : आरएसएस

खबर संक्षेप

सुशांत राजपूत मामले में 'क्लोजर रिपोर्ट' दायर

नई दिल्ली। सीबीआई ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के मामले में 'क्लोजर रिपोर्ट' दाखिल कर दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किये हैं और अब अदालत को तय करना है कि वह (मामले को बंद करने की) रिपोर्ट को स्वीकार करती है या आगे जांच के निर्देश देती है। भाषा

अमेरिका में गोलीबारी तीन लोगों की मौत

लास क्रूसेस। अमेरिका के न्यू मैक्सिको के लास क्रूसेस के एक पार्क में गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों से वीडियो और अन्य जानकारी साझा करने को कहा है। पुलिस हमले के संदिग्धों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि यह हमला शुक्रवार रात लगभग 10 बजे शहर के यंग पार्क में हुआ। भाषा

एक अप्रैल से प्याज पर 20% निर्यात शुल्क वापस

नई दिल्ली। सरकार ने एक अप्रैल से प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को वापस ले लिया है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि यह कदम किसानों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। बयान में कहा गया है कि उपभोक्ता मामलों के विभाग से पत्र मिलने के बाद राजस्व विभाग ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। भाषा

जीटी रोड पर तीन दिन तक चला तोड़फोड़ और मलबा उठाने का काम

किसान आंदोलन के कारण पिछले साल बंद किया गया था कुंडली-सिंघु बॉर्डर

अब सिंघु बॉर्डर भी पूरी तरह खुला नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक सामान्य

दिल्ली-पानीपत लेन खुली, देर रात हाईवे पर आवागमन बिना किसी बाधा के शुरू हुआ

दो दिन पहले शंभू और एक दिन पहले खनौरी बॉर्डर खुला था, वाहन चालकों को 13 महीने बाद मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जीटी रोड पर शनिवार देर शाम कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली-पानीपत लेन पूरी तरह से खोल दी गई। इसके बाद इस नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक सामान्य हो गया और अब बिना किसी बाधा के वाहनों का आवागमन शुरू हो गया। बता दें कि शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन के कारण पिछले साल इसे सील किया गया था, इसके बाद कुछ लेन शुरू कर दी गई, लेकिन दिल्ली-पानीपत लेन बंद होने से वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शंभू और खनौरी बॉर्डर के बाद अब कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर भी आवागमन सामान्य हो गया है। दो दिन पहले शंभु और एक दिन पहले खनौरी बॉर्डर खुला था। जीटी रोड पर कंक्रीट और मलबा हटाने का काम तीन दिन से जारी था। शनिवार शाम को मलबा पूरी तरह से हटाकर हाईवे को पूरी तरह से खोला गया। रात तक हाईवे की सफाई कर उसे चालू किया गया। दोनों हाईवे पर स्वागत द्वार लगा दिए गए हैं।

सोनीपत। जीटी रोड पर दिनभर चला कंक्रीट और मलबा हटाने का काम इस दौरान जाम में फंसे रहे वाहन। *फोटो : हरिभूमि*

किसानों के दिल्ली कूच के कारण बंद था

किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद पंजाब के किसानों को अंबाला के शंभू बॉर्डर पर रोक दिया था। वहां सुरक्षाबलों के साथ टकराव होने पर दिल्ली पुलिस प्रशासन ने 13 फरवरी, 2024 को कुंडली-सिंघु बॉर्डर को पूरी तरह से सील कर दिया था। सीमेंट की दीवार तक खड़ी कर दी गई थी। -बाद में सर्विस रोड और पानीपत-दिल्ली हाईवे की एक लेन को खोल दिया था। जिससे वाहन चालकों को पूरी तरह राहत नहीं मिल पा रही थी। बुधवार रात को अंबाला के पास शंभू बॉर्डर को खोलने का काम शुरू होने के बाद वीरवार शाम को चार बजे दिल्ली प्रशासन ने कुंडली-सिंघु बॉर्डर सीमा को पूरी तरह खोलने की कार्रवाई शुरू कर दी थी।

देर रात तक हटाया गया कंक्रीट

पानीपत-दिल्ली लेन पर बनाई सीमेंट की दीवार सुबह दस बजे तोड़ दी गई थी। इसके बाद कंक्रीट हटाने का काम किया गया। कंक्रीट व लोहे के बैरीकेड तीन बुलडोजर व क्रेन की मदद से हटाए गए। रात तक हाईवे से वाहनों का आवागमन शुरू कर दिया गया। दिल्ली-पानीपत लेन से अवरोधक हटाने के बाद स्वागत बोर्ड लगाया गया है। इस दौरान दो घंटे तक हाईवे फ्लाईओवर से बंद रखा गया। वाहनों को संपर्क मार्ग से गुजारा गया।

शंभू टोल प्लाजा पर 297 करोड़ का नुकसान

अंबाला। 13 महीने बाद खुले शंभू बॉर्डर पर अब वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से सामान्य हो गई। किसान आंदोलन की वजह से बंद रहे शंभू टोल प्लाजा को भी 300 करोड़ का नुकसान हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से हुए नुकसान का आंकलन किया गया है। इस नुकसान की भरपाई को लेकर अधिकारी अगली प्रक्रिया पर माथापच्ची कर रहे हैं। एनएचएआई के परियोजना अधिकारी गजेंद्र यादव ने बताया कि किसान आंदोलन की वजह से टोल प्लाजा पूरे 13 महीने बंद रहा। अभी तक उन्हें करीब 300 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उन्होंने बताया कि टोल के बंद होने से हर दिन 74 लाख रुपये का नुकसान विभाग को उठाना पड़ा है। अब शुक्रवार से टोल को नए सिरे से शुरू कर दिया है। बाकायदा वाहनों से वसूली भी शुरू हो गई है। अब विभागीय अधिकारी किसान आंदोलन की वजह से हुए नुकसान की भरपाई को लेकर काम कर रहे हैं। किसान आंदोलन शंभू समेत कई टोल प्लाजा बंद थे। इसके कारण प्लाजा का संचालन करने वाली एजेंसियों को भारी भरकम नुकसान हुआ है। दरअसल शंभू टोल बंद होने से यहां लगातार नुकसान हो रहा था।

बहादुरगढ़। मकान में धमाका होने के बाद मौके पर जमा भीड़ और इंसेट में मकान में लगी आग से निकलता धुआं। इस धमाके का शिकार किराए पर रहने वाला परिवार हुआ है।

बहादुरगढ़ के मकान में धमाका, चार की मौत

एसी का कंप्रेशर फटने से भीषण हादसा

बहादुरगढ़ (हरिभूमि न्यूज)। बहादुरगढ़ के सेक्टर-9 में शनिवार शाम को एक जोरदार धमाका हुआ। इस दर्दनाक हादसे में दो बच्चों व एक महिला समेत सिख परिवार के 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। पुलिस, एफएसएल टीम व बैलेस्टिक टीम मौके पर धमाके का कारण जानने में जुटे हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया गया है। बता दें कि शनिवार देर शाम सेक्टर-9 के मकान नंबर 312 में जोरदार धमाका हुआ और आग की लपटें उठने लगी। पड़ोस के लोग सहमकर बाहर निकले और बचाव के लिए दौड़े। मकान का मेन गेट बंद था, उसे तोड़कर लोग अंदर घुसे। दमकल की टीम भी मौके पर पहुंची। मकान के अंदर का दरवाजा तोड़ा तो एक व्यक्ति घायल मिला। उसे तुरंत नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। जहां से उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। आग पर काबू पाते समय दमकलकर्मियों को अंदर वाले कमरे में 4 शव मिले तो हड़कंप मच गया। इनमें दो बच्चे और एक महिला थी। चौथे शव की पहचान हरिपाल सिंह के रूप में हुई है। वह दिल्ली में ट्रांसपोर्टर का काम करता था और 7 महीने से बहादुरगढ़ के इस मकान में किराए पर रहता था। मकान की रसोई में एलपीजी सिलेंडर सुरक्षित मिले हैं। हालांकि उस कमरे में लगा स्पलिट एसी बुरी तरह जला हुआ था। माना जा रहा है कि एसी के कंप्रेशर में यह धमाका हुआ है। डीसीपी मयंक मिश्रा ने बताया कि मृतकों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। ये सभी हरिपाल सिंह के परिजन लग रहे हैं।

यूपी में भाजपा नेता ने 3 बच्चों की हत्या कर पत्नी को भी गोली मारी

पुलिस को फोन कर कहा, सबको मार डाला

भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष थे योगेश रोहिला

सहारनपुर(एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष योगेश रोहिला ने पत्नी और 3 बच्चों को गोली मार दी। इसके बाद खुद पुलिस को फोन कर कहा-मैंने पत्नी-बच्चों को गोली मार दी है। वारदात में 11 साल की बेटी श्रद्धा, दो बेटों शिवांश उर्फ शिवा (4) और देवांश (6) की मौत हो गई। पत्नी नेहा (31) की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने आरोपित योगेश को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पत्नी की चोटी पकड़कर पूरे गांव में घुमाया था

रोहिला ने हत्याकांड को अंजाम देने से एक दिन पहले भी पत्नी की जमकर पिटाई की थी। ग्रामीणों ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि शुक्रवार को उसने पत्नी की चोटी पकड़ कर पूरे गांव में घुमाया और उसकी पिटाई की थी। पिछले 2 महीने से वह लगातार पत्नी को टॉर्चर कर रहा था। उसके साथ मारपीट करता था।

पटना के अस्पताल में घुसकर महिला डायरेक्टर की हत्या

पटना (एजेंसी)। पटना में शनिवार शाम एशिया अस्पताल की महिला डायरेक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने अस्पताल में घुसकर डायरेक्टर को 6 गोलियां मारी। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के धनुकी मोड़ की है। शाम 6 बजे अस्पताल में मरीजों का इलाज चल रहा था। इसी दौरान कुछ अपराधी एशिया अस्पताल में पहुंचे और डायरेक्टर डॉ सुरभि राज के चैंबर में घुसे। फिर डॉ. सुरभि राज (30) पर ताबड़तोड़ 6-7 गोलियां चला दीं। अस्पताल स्टाफ ने घायल डॉ. सुरभि को इलाज के लिए पटना एम्स लेकर पहुंचे, लेकिन खून ज्यादा बहने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसपी (पूर्वी), डीएसपी और अगमकुआं थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है।

पुलिस हर एंगल से कर रही जांच

पुलिस के अनुसार हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। व्यक्तिगत दुश्मनी, रंगदारी समेत कई एंगल से जांच की जा रही है। मृतक डॉक्टर के परिवार से भी पूछताछ जारी है। पुलिस ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। पटना सिटी एसपी अतेलेश झा ने बताया कि 'कुछ स्टाफ डायरेक्टर के कमरे में गए तो उन्होंने सुरभि राज को अचेत अवस्था में खून से लथपथ पाया। उनको आईसीयू में शिफ्ट किया गया। फिर एम्स ले जाया गया। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।' आईएमए और अन्य चिकित्सक संगठनों ने इस हत्या की उच्च स्तरीय जांच और अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा, "अगर डॉक्टर और अस्पताल संचालक ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता का क्या होगा? बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

जीडीडीआई ने 357 अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट्स पर रोक लगाई

2400 से अधिक बैंक खातों को भी जब्त किया
126 करोड़ से अधिक की निकासी पर रोक

नई दिल्ली (भाषा)। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (जीडीडीआई) ने विदेश से संचालित अवैध ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की 357 वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ ही 2,400 बैंक खाते जब्त किए हैं। मंत्रालय ने शनिवार को जनता को विदेशी गेमिंग मंचों से जुड़ने के खिलाफ आगाह किया। मंत्रालय ने कहा कि बॉलीवुड हस्ती और क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले भी अगर इन मंचों का समर्थन करें, तो भी इनसे नहीं जुड़ना चाहिए। लगभग 700 विदेशी ई-गेमिंग कंपनियां जीडीडीआई की जांच के दायरे में हैं, क्योंकि इन्होंने पंजीकरण नहीं कराया है और जीएसटी की चोरी कर रही हैं। जांच में यह भी पता चला कि ये विदेशी कंपनियां लेनदेन के लिए फर्जी बैंक खातों के जरिये काम करती हैं।

तैयारी तमिलनाडू, केरल, तेलंगाना, ओडिशा और कर्नाटक के 14 नेता शामिल

स्टालिन बोले, हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी, संसद में किसी राज्य की सीटें कम न हों

परिसीमन को लेकर तमिलनाडु समेत पांच राज्यों ने किया मंथन, ज्वाइंट कमेटी गठित

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

राज्यों में लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर शनिवार को 5 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों ने चेन्नई में एक बैठक कर मंथन किया। बैठक में तमिलनाडू, केरल, तेलंगाना, ओडिशा और कर्नाटक के 14 नेता शामिल हुए। बीजेडी प्रमुख नवीन पटनायक और टीएमसी ने भी इस बैठक में भाग लिया। सभी नेताओं ने स्टालिन के नेतृत्व में एक जॉइंट एक्शन कमेटी का गठन किया है। कमेटी ने परिसीमन पर प्रस्ताव पारित किया कि 1971 की जनगणना जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर रोक को अगले 25 साल तक बढ़ाया जाए। साथ ही कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम प्रभावी ढंग से लागू किया है, वहां संवैधानिक संशोधन लागू किए जाएं। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अगली बैठक हैदराबाद में होगी।

हमें एकजुट रहना होगा

तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने कहा, परिसीमन पर हमें एकजुट रहना होगा। वर्ना हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी। संसद में हमारा प्रतिनिधित्व कम नहीं होना चाहिए। हम परिसीमन के खिलाफ नहीं, निष्पक्ष परिसीमन के पक्ष में हैं। वहीं, केरल के सीएम ने कहा, लोकसभा सीटों का परिसीमन तलवार की तरह लटक रहा है। भाजपा सरकार इस मामले पर बिना किसी परामर्श के आगे बढ़ रही है। दक्षिण के सीटों में कटौती और उत्तर में बढ़ोतरी भाजपा के लिए फायदेमंद होगी। उत्तर में उनका प्रभाव है।

क्या है परिसीमन

परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्रों का सीमा निर्धारण या पुनर्निर्धारण, जिसे संविधान के अनुच्छेद 82 और अनुच्छेद 170 के तहत किया जाता है। संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत हर जनगणना के बाद संसद परिसीमन आयोग का गठन कर सकती है। अनुच्छेद 170 भी राज्यों की विधानसभा सीटों के परिसीमन से संबंधित प्रावधान करता है। हालांकि संविधान संशोधन के माध्यम से संसद इसे स्थगित कर सकती है, जैसा कि 1976 और 2001 में किया गया था। संविधान संशोधनों (42वें, 84वें और 87वें) के कारण परिसीमन प्रक्रिया को 2026 तक रोक दिया गया है।

बीते सप्ताह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में करीब नौ महीने गुजारने के बाद भारतीय मूल की अंतरिक्ष वैज्ञानिक सुनीता विलियम्स वापस धरती पर लौटी हैं। ऐसे में स्पेस साइंस में रुचि रखने वाले हर व्यक्ति के दिमाग में आईएसएस की संरचना, उसमें रहने के अनुभवों के बारे में कई सवाल उठ रहे हैं। ऐसे तमाम सवालों के जवाब आप यहां पा सकते हैं।

फिक्शन पैलेस जैसा हाईटेक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

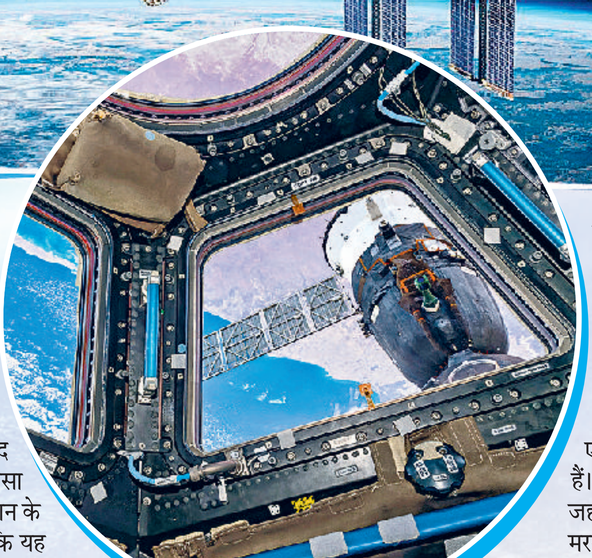

कवर स्टोरी

विवेक कुमार

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की आंतरिक दुनिया, जहां कई महीने गुजार कर भारतवंशी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स लौटी हैं, वह खुद अपने आपमें किसी साइंस-फिक्शन के रहस्य महल जैसा है। अगर आपने कभी कल्पना की हो कि अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर की दुनिया कैसी होती होगी, तो जान लीजिए कि यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सेट से कम नहीं है। अंतरिक्ष यात्री यहां महीनों तक रहते हैं, कई तरह के प्रयोग करते हैं और पृथ्वी से बहुत दूर रहकर भी संपूर्ण मानवता के नए रास्ते खोलते हैं। ऐसे में आईएसएस की उस अनोखी दुनिया के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

स्पेस स्टेशन की आंतरिक संरचना

इसके अंदर तंग, लेकिन बेहद हाईटेक कॉरिडोर्स हैं। चूंकि अरबों डॉलर की लागत के बावजूद अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर जगह काफी सीमित है, इसलिए इसकी दीवारों में जगह-जगह मॉनिटर्स, वायरिंग और उपकरणों की भरमार है। यहां हर चीज मॉड्यूलर होती है-यानी जिसे जरूरत के हिसाब से जोड़ा या हटाया जा सकता है। तभी इतने ज्यादा और नए-नए वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं, जैसा कि खासतौर पर सुनीता विलियम्स और उनके साथियों ने किए। इस अंतरिक्ष स्टेशन में रहते हुए वैज्ञानिक बायोलॉजिकल, फिजिकल और मेडिकल क्षेत्र के तमाम प्रयोग करते हैं, जिसके निष्कर्षों का उपयोग भविष्य में स्पेस ट्रैवल और मानव जीवन को आसान बनाने के लिए होगा।

रहने के बने होते हैं अलग-अलग क्वार्टर्स

इसमें विशेष रूप से हर अंतरिक्ष यात्री के लिए एक छोटा, कैप्सूलनुमा सोने का स्थान होता है, जहां वे स्लीपिंग बैग में खुद को बांधकर सोते हैं ताकि तैरते न रहें। यहां मनोरंजन के लिए लैपटॉप, म्यूजिक प्लेयर और वीडियो कॉल की सुविधा भी होती है। यहां एक डाइनिंग एरिया भी होता है, जिसे गैलेली मॉड्यूल कहते हैं। यहां स्पेशल पैक किए गए फूड पाउच होते हैं, जिन्हें पानी या हीटिंग सिस्टम से खाया जा सकता है। कोई भी चीज प्लेट में नहीं रखी जा सकती। क्योंकि ऐसा करते ही वह हवा में तैरने लगेगी। इसीलिए यहां कॉफी भी स्पेशल सीलबंद कप में मिलती है।

दिखते हैं अद्भुत दृश्य

अंतरिक्ष स्टेशन के कुछ हिस्सों में बड़ी-बड़ी खिड़कियां होती हैं, जहां से अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी को घूमते हुए देख सकते हैं। सूरज यहां हर 90 मिनट में उगता और अस्त होता है। सूरज को एक ही दिन में कई बार उगते और डूबते देखना, यह एक अविश्वसनीय अनुभव होता है। अंतरिक्ष स्टेशन में कई उद्देश्यपूर्ण साइंस लैब बनाई गई हैं। ये लैब्स, अंतरिक्ष की विशेष परिस्थितियों में प्रयोगों के लिए बनाई गई

होती हैं, जहां मेडिकल, बायोलॉजिकल और फिजिकल रिसर्च किए जाते हैं। यहां प्लांट ग्रोथ, मानव शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का प्रभाव और रोगों के लिए नई दवाइयों पर रिसर्च भी होती है।

स्पेशल स्पेस टॉयलेट

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में बना टॉयलेट भी बहुत अलग होता है। यह एक सक्शन सिस्टम की तरह काम करता है, जो अपशिष्ट को खींचकर अलग रखता है। यात्रियों के मूत्र और पसीने को ही रिसाइकल करके पीने योग्य पानी बनाया जाता है।

स्पेसवॉक एरिया

इसे यहां की टर्मिनोलोजी में एयरलोक और ईवा जोन कहते हैं। यह हिस्सा वह जगह होती है, जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहरी मरम्मत या अनुसंधान के लिए स्पेसवॉक करने जाते हैं। कई बार किसी साइंस-फिक्शन जैसे वाकयात होते हैं। मसलन, कोई औजार हाथ से छूट गया तो वह हवा में तैरते-तैरते मॉड्यूल के दूसरी तरफ जाकर फंस जाता है। फिर उसे वापस लाने में खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

स्पेस स्टेशन में 'गूंजती' ध्वनि

चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन में हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण में होती है, इसलिए यहां आवाजें अलग तरीके से सुनाई देती हैं। कई बार यात्री अपने साथी को दूसरी तरफ से पुकारते हैं, लेकिन उन्हें दीवारों की गूंज सुनाई देती है। लेकिन इन्हीं स्थितियों में जिंदगी का लुत्फ भी लिया जाता है। मसलन, स्पेस स्टेशन में रहते हुए सुनीता विलियम्स ने अपना बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी किया, जिसमें केक को हवा में तैरते हुए काटा गया।

आम लोग भी जाएंगे वहां

जिस तरह तेजी से स्पेस टूरिज्म अब हकीकत बन रहा है। ऐसे में शायद आने वाले दशकों में आम आदमी भी पैसा खर्च करके कुछ दिनों के लिए स्पेस स्टेशन पर रह सकेगा। स्पेस स्टेशन में एक अनोखा अनुभव प्राप्त कर सकेगा। *

हवा में तैरते रहते हैं अंतरिक्ष यात्री

स्पेस स्टेशन के भीतर कोई 'ऊपर' या 'नीचे' नहीं होता। हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण अर्थात जीरो ग्रैविटी में होती है, जिससे यात्री तैरते हुए एक मॉड्यूल से दूसरे मॉड्यूल में आते जाते हैं। यह सब सुनने में कितना ही रोमांचक लगे लेकिन हकीकत में शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का कई तरह से असर पड़ता है। इसके चलते शरीर की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, मानसिक रूप से भी खुद को स्थिर रखना बहुत कठिन होता है।

आईएसएस का एक्सरसाइज जोन

अंतरिक्ष यात्रियों की हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर न हों, इसके लिए वे रोजाना ट्रेडमिल या साइकिल पर कसरत करते हैं। यह बहुत जरूरी इसलिए है, क्योंकि महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का असर पड़ता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मानसिक रूप से खुद को स्थिर रखना एक चुनौती होता है।

अभूतपूर्व

संजय श्रीवास्तव

पूरे 287 दिन स्पेस स्टेशन में गुजारने के बाद सुनीता विलियम्स का सुरक्षित धरती पर लौटना एक अभूतपूर्व घटना है। सुनीता ने वहां जिस तरह अपना वक्त गुजारा, जिन कामों को अंजाम दिया और धैर्य से मुश्किलों का सामना किया, वो हर धरतीवासी के लिए एक प्रेरणा है।

धरती पर सुरक्षित लौटीं स्पेस क्वीन सुनीता विलियम्स

समुद्रतल से महज 408 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, हमारे सिर के ऊपर से न जाने कितनी बार गुजरा होगा, पर हमने शायद ही कभी नंगी आंखों से देखे जा सकने वाले इस स्टेशन पर निगाह डाली होगी। इस बात पर भी शायद ही कभी गहराई से गौर किया होगा कि किसी बड़े फुटबॉल मैदान के बराबर, 15 हजार करोड़ डॉलर लागत के इस स्टेशन पर मात्र आठ दिन के लिए गईं, लेकिन 287 दिन गुजारने के लिए मजबूर सुनीता विलियम्स ने बस कुछ क्रू सदस्यों के साथ अपने रुटीन लाइफ वाले दिन सीमित स्थान वाले अंतरिक्ष में कैसे काटे होंगे?

आसान नहीं रहा वहां रहना: 5 जून 2024 को सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में फ्लाइट टेस्ट मिशन पर बतौर पायलट गई थीं। 8 दिन स्पेस स्टेशन पर रुक कर, शोध प्रयोग कर 10वें दिन स्पेसक्राफ्ट को धरती पर वापस लाना तय था। पर जो हुआ सबके सामने है। लेकिन उस दौरान तमाम कठिनाइयों के बावजूद, सुनीता वहां काम और व्यायाम के जरिए पर्याप्त प्रसन्न, स्वस्थ और स्थिर रहीं। अंतरिक्ष स्टेशन के शून्य गुरुत्वाकर्षण में बंधी दिनचर्या के तहत तंग सी जगह में कुछ ही चेहरों के साथ रहना, लटके हुए सोना, संभल कर दैनिक क्रिया निबटाना, व्यायाम करना, टूथपेस्ट को ब्रश के बाद निगल जाना, बिना नहाए महीनों रहना, उनके लिए सामान्य हो गया था। रोज मेंटिनेंस, रिसर्च, आकलन, सेल्फ असेसमेंट जैसे काम निबटाना, खान-पान में अपेक्षित सावधानी बरतना, छलकी बूंदों का पीछा कर उन्हें गटक जाना, सुनीता के लिए कोई नई बात नहीं थी।

किसी मुश्किल से नहीं घबराईं: कभी स्पेसक्राफ्ट के कैप्सूल में हीलियम लीकेज, तो कभी थ्रस्टर्स बंद तो कभी प्रॉपेलेंट वॉल्व का बंद न होना। एक बार तो यान के सुरक्षा कवच में दरार आ गई थी फिर अंतरिक्ष केंद्र के कंप्यूटरों में खराबी बमुश्किल ठीक हुई। यहां तक कि सोलर पैनल की भी कई बार मरम्मत करनी पड़ी। बहरहाल, पिछली बार सुनीता को अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने रुकना पड़ा था, लेकिन इस बार नौ महीने वहीं स्टे करना पड़ा। पर इस बार उनको वापस लाने के बार-बार हुए प्रयासों में तकनीकी विफलता अवश्य निराशाजनक थी। लेकिन वापसी के इंतजार में हंसती, मुस्कराती दिखती सुनीता कभी घबराई या निराश नहीं दिखीं। धरती पर नियत, निश्चित वापसी के बार-बार टलने का अहसास क्या होता है, धरती पर अपने घरों में रहते नहीं महसूस किया जा सकता।

आसान नहीं थी वापसी: सुनीता की वापसी की डगर कम खतरनाक नहीं थी। मौसम का बिगड़ा मिजाज एक बार फिर विलंब करवा सकता था। एक तकनीकी गलती, कोण में बदलाव उन्हें भाप में तब्दील कर सकती थी, ताउम्र अंतरिक्ष में गुम कर सकती थी, कक्षाओं में भटका सकती थी। बहरहाल, धरती पर सुनीता सुरक्षित लौट आई हैं।

नॉर्मल होने में लगेंगे कई दिन: लौटने के बाद सुनीता के सामने तमाम समस्याएं कुछ समय तक बनी रहेंगी। शरीर के अंगों और उनके द्वारा क्रिया-कलाप को स्वभावतः पृथ्वी की सतह पर वायुमंडलीय दबाव और गुरुत्व की आदत होती है। स्पेस में जाकर ज्यादा समय वहां रहकर वापस आना तमाम विसंगतियां पैदा करता है। गुरुत्व की आदी मांसपेशियां जिन्हें धरती पर हर हरकत पर कसरत करनी पड़ती है, स्पेस में लगभग निष्क्रिय रहती हैं। सो कमजोर और खराब होने लगती हैं। इसके अलावा हर समय हवा में तैरते रहने के चलते हड्डियों को शरीर का भार सहन करने की जरूरत नहीं रहती, इससे हड्डियों के ऊतक विकसित नहीं होते, जरा भी धक्के से टूट-फूट की आशंका बनती है। अंतरिक्ष से वापस आने पर कुछ दिनों बाद ही वे ठीक से खड़ी हो पाएंगी। सुनीता को गुर्दे की पथरी की समस्याएं हो सकती हैं, दिल भी सिकुड़ सकता है। इतना ही नहीं, उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। नजर बेहद कमजोर हो सकती है, कान से कम सुनाई देना और शरीर का बेहतर संतुलन बनाने में भी कठिनाई हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का बिल्कुल साफ-सुथरा वातावरण, धरती आने पर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। धरती पर पाए जाने वाले बहुत से प्राकृतिक सूक्ष्म जीवाणु उनमें इम्यून सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। फिलहाल सुनीता के व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही इसके निष्कर्षों का इंतजार रहेगा। *

ऐसे हुई सुनीता की वापसी

सुनीता को वापस लाने के लिए जाने वाले ड्रैगन क्रू-10 यान में चार लोग थे। 14 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 4.30 बजे केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरकर यह ड्रैगन क्रू, 28 घंटे बाद 16 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 9.40 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच कर डॉकिंग शुरू की, 11.05 बजे इसका हैच खुला। तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर टीम मेंबर भीतर गए। बात मुलाकात के बाद क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों, एस्ट्रोनॉट निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्सांद्र गोरबुनोव ने अपने काम-काज का ब्योरा आगंतुकों यानी क्रू-10 मेंबर्स को दिया। काम-काज हैंड ओवर करने के बाद वे पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार थे। पांच महत्वपूर्ण और बेहद जटिल प्रक्रियाएं निबटाने के बाद वे चले और लगभग 18 घंटे बाद महासागर में सफलतापूर्वक उतरे।

कविता

अलका 'सोनी'

सभ्यता वरदान नहीं

सभ्यता वरदान नहीं
होती हमेशा...
कभी-कभी
बन जाती है
अभिशाप भी!!
वह नहीं सिखा पाती हमें
अपने मन के
घावों को धोना
झूठी हंसी ओढ़े
सीख लेता है आदमी
चुप रहकर दर्द ढोना
छद्म आवरण से
ढंका शरीर लेकर
घूमता रहता है आदमी
इस सभ्य समाज में
इससे कहीं ज्यादा
महान होता है
प्रकृति का
वह भव्य खुलापन और
जहां नहीं छुपाते लोग
स्वयं को इन आवरणों में।
सदियों तक सहेज कर
रखते चले जाते हैं वो
अपनी सहजता
यह नैसर्गिकता ही तो
इनकी थाती होती है
जिसे पीढ़ियों तक
हस्तांतरित करते जाते हैं वे।

लघुकथाएं

नासूर

योगिता को हरीश के रूप में मन-माफिक नौकरीपेशा पति ही नहीं मिला, अच्छी ससुराल भी मिली। शादी के साल भर बाद वह मां बन गई। सब कुछ बढ़िया ही बढ़िया!

ससुराल में परिवार संयुक्त था। सबके साथ सब कुछ अच्छा हो, जरूरी तो नहीं। हरीश का एक चचेरा भाई था-नरेश। वह पढ़ा-लिखा तो था लेकिन बेरोजगार था। वह सरकारी नौकरी पाने की कोशिश में था। सारी कोशिशें सब व्यर्थ जा रही थीं। उसकी बेकारी पर अकसर योगिता फब्तियां कसती थी, 'क्यों नरेश! आजकल तुम्हारा इधर-उधर बहुत आना-जाना होता है। क्या बात है भाई! नौकरी मिली? नौकरी मिलेगी, तब छोकरी मिलेगी। लगे रहो नरेश भाई।'

नरेश योगिता को कभी मजाकिया लहजे में जवाब देता, तो कभी चुप रह जाता लेकिन बातें अंतस को लगती थीं। हरीश को अपने भाई के प्रति योगिता का व्यवहार अच्छा नहीं लगता था। एक दिन उसने समझाया, 'योगिता, नरेश की बेकारी की तुम खिल्ली मत उड़ाया करो।'

योगिता पति की बात हल्के से लेते हुए तपाक से बोली, 'क्यों...? बस मजाक ही तो करती हूं।'

'नरेश को बहुत ठेस पहुंचती है तुम्हारे मजाक से।' हरीश ने एक पीड़ा के साथ कहा।

'तुम्हें कैसे पता?' योगिता बोली।

'घायल की गति घायल जानता है योगिता। बेकारी शरीर के नासूर से अधिक पीड़ादायक होती है।' एक लंबी सांस खींचते हुए हरीश बोला। *

-टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

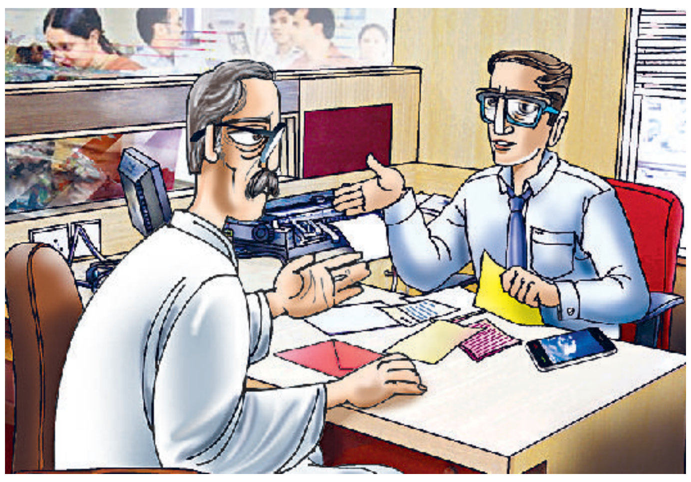

आयु की अवधि

नौकरी से कई वर्ष पहले रिटायर हो चुके दीनानाथ जी को जर्जर होते जा रहे मकान की मरम्मत का खयाल आया। लेकिन इसके लिए पास में पर्याप्त पैसा न होने के कारण, उन्होंने बैंक से कर्ज लेने की सोची। उनका खयाल था, पेंशन खाते से बैंक उन्हें कर्ज दे देगा। बीवी की सहमति से कर्ज की अर्जी देने के लिए वे एक दिन बैंक पहुंच गए।

बैंक अधिकारी से उन्होंने पेंशन खाते के एवज में कर्ज लेने के बारे में पूछा।

'बैंक में ऐसे लोन का प्रावधान है तो सही, लेकिन...' दीनानाथ जी की ओर गौर से देखते हुए बैंक अधिकारी बोलते-बोलते ठहर गया।

'लेकिन क्या..?' उन्होंने पूछा।

'बात यह है दीनानाथ जी कि एक उम्र अवधि पार करने के बाद ऐसे किसी लोन का प्रावधान नहीं है बैंक में।' बैंक अधिकारी ने बताया।

'ऐसा क्यों है?' मायूसी के साथ दीनानाथ जी ने पूछा। समझाने के अंदाज में अधिकारी ने कहा, 'इसलिए कि... ईश्वर न करे, इस बीच आपको कभी भी कुछ हो जाए और...।' कहते-कहते अचानक ही उस अधिकारी को एक जोरदार हिचकी आई और वह अपनी कुर्सी पर ही लुढ़क गया। उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। *

-हबीब कैफी

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

काफ्का पर संग्रहणीय अंक

जब भी दुनिया के महानतम लेखकों का जिक्र होता है तो फ्रांज काफ्का का नाम उसमें शामिल होता ही है। इस विलक्षण लेखक के अवसान को एक सदी गुजरने पर श्रद्धांजलि स्वरूप नया ज्ञानोदय ने अपना ताजा अंक (फरवरी-मार्च) 'काफ्काः अवसान के सौ वर्ष' शीर्षक से प्रकाशित किया है। इसमें उनकी क्लासिक कथा 'कायांतरण' के अलावा 'दंडद्वीप में', 'एक छोटी महिला' और 'ग्यारह बेटे' कहानियां भी संकलित हैं। उनकी दो कविताओं और दो लघुकथाओं के अलावा कुछ बेहतरीन लेख भी यहां पढ़े जा सकते हैं। सुधांशु गुप्त का लेख 'के से काफ्का पढ़िए' और स्वाति शर्मा का संस्मरण 'कमरा नंबर बाईसः काफ्का की खिड़की' विशेष रूप से पठनीय हैं। सौम्य शाश्वत का लेख 'सिनेमा में काफ्का की उपस्थिति' भी बढ़िया है। गुस्ताव जैनुक और पिएत्रो चिताती के अनूदित संस्मरण भी बेहतरीन हैं। केशव चतुर्वेदी ने अपने लेख में काफ्का के रचना संसार के आलोक में उनकी प्रासंगिकता की गहनता से पड़ताल की है। कुल मिलाकर काफ्का पर केंद्रित नया ज्ञानोदय का यह अंक संग्रहणीय है। *

पत्रिकाः नया ज्ञानोदय (काफ्काः अवसान के सौ वर्ष), संपादकः मधुसूदन आनंद, मूल्यः 50 रुपए, प्रकाशकः भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

{ टूरिस्ट डेस्टिनेशन / बुशरा फातमा }

गोवा भारतीय टूरिस्ट्स के लिए ही नहीं दुनिया भर के टूरिस्ट्स का फेवरेट डेस्टिनेशन है। यहां के फेमस स्पॉट्स के बारे में तो अधिकतर लोग जानते हैं, लेकिन इनसे अलग गोवा में ऐसी कई लोकेशंस हैं, जहां आपको कुछ अलग ही सुकून और शांति का अनुभव होगा। जानिए, गोवा के कुछ ऐसे ही ऑफबीट लोकेशंस के बारे में।

बहुत अमेजिंग-अट्रैक्टिव हैं
गोवा के ऑफबीट लोकेशंस

कोला बीच

नॉर्थ गोवा के भीड़-भाड़ से हटकर साउथ गोवा का यह हिडेन कोला बीच, सुंदर कोकोनट ट्रीज और हिल्स से घिरा हुआ है। कोला बीच मशहूर है, अपने फ्रेश वाटर लैगून के लिए, जहां आप कायाकिंग (पैडल्स वाली बोट के सहारे समुद्री लहरों के रोमांच का मजा लेने वाला खेल) का भरपूर लुत्फ उठा सकते हैं। अगर आप समंदर की लहरों का रोमांच और लैगून का लुत्फ एक ही जगह उठाना चाहते हैं तो कोला बीच को अपनी बकेट लिस्ट में जरूर शामिल कीजिए। यह डाबोलिम एयरपोर्ट से 40 किलोमीटर की दूरी पर है और इससे निकटतम शहर मडगाव है। *

हर्वलेम वॉटरफॉल

अगर आपको गोवा में बीचेस के अलावा प्रकृति की सुंदरता को निहारना है तो हर्वलेम वाटरफॉल एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। नॉर्थ गोवा में मौजूद इस वाटरफॉल की असली सुंदरता बारिश के दिनों में दिखाई देती है, जब पानी का बहाव तेज होने से टूरिस्ट्स वाटरफॉल के ऊपरी हिस्से में भी पानी के फव्वारों का आनंद ले सकते हैं। वाटरफॉल के पास ही एक प्राचीन मंदिर भी है, जो गोवा के इस मनोरम दृश्य को आध्यात्मिक भी बना देता है। *

बेतुल बीच

साउथ गोवा के सॉउथर्नमो मोस्ट में बसा बेतुल एक कोस्टल गांव है, जो लाइट हाउस और फोर्ट के लिए तो मशहूर है ही साथ ही यहां कुदरत ने सुंदरता दिल खोल कर बिखेरी है। जिस स्थान पर साल नदी यहां अरब सागर में मिलती है, उसकी छटा देखते ही बनती है। नदी और समंदर का यह मिलन आपको अपने गोवा ट्रिप में जरूर देखना चाहिए। *

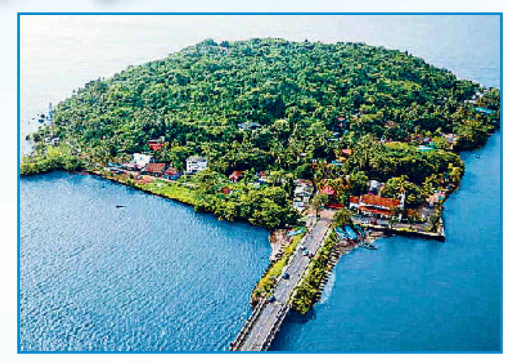

दिवार आइलैंड

गोवा के मांडोवी नदी पर स्थित यह एक छोटा सा आइलैंड है, जहां जाने के लिए ओल्ड गोवा से आपको फेयरी नाव की मदद लेनी होगी। सुबह से शाम तक इस आइलैंड पर जाने के लिए नौका सेवा उपलब्ध रहती है। इस आइलैंड की खूबसूरती यहां बने वो पुराने घर हैं, जो पुर्तगाली शैली में बने हैं। यहां कई पुराने चर्च भी हैं। इसी आइलैंड पर साओ मटिया नाम का एक गांव है, जिसमें साओ मथियास के 400 साल पुराने पुर्तगाली चर्च मौजूद हैं। इन सबके अलावा आप यहां कदंब राजवंश के खंडहर भी देख सकते हैं। *

अनोखा स्पाइस गार्डन

अगर आप प्लांटेशन के शौकीन हैं तो गोवा आने पर एक बार इस स्पाइस गार्डन की सैर आपको जरूर करनी चाहिए। यहां पर्यटकों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया जाता है, साथ ही टूरिस्ट्स को गोअन शैली का स्वादिष्ट खाना भी परोसा जाता है। इस गार्डन में आप तरह-तरह के मसालों के प्लांटेशंस की विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। गोवा के पोंडा में स्थित यह गार्डन प्लांटेशन के शौकीन टूरिस्ट्स के लिए आकर्षण का केंद्र है। *

तांबाडी सुरला का महादेव मंदिर

13वीं शताब्दी में निर्मित भगवान शिव का यह मंदिर कदंब शैली में बना है और गोवा के प्रचीनतम मंदिरों में से एक है। बेसाल्ट पत्थर से बना यह मंदिर, वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। सुरला नदी के किनारे बना यह मंदिर शिव भक्तों में तो बहुत लोकप्रिय है ही, साथ ही नेचर लवर के लिए भी यह जगह किसी पैराडाइज से कम नहीं है। घने जंगल के बीच स्थित इस मंदिर की सैर के लिए बारिश का दिन सबसे उपयुक्त है। महाशिवरात्रि और सावन के महीने में यहां खूब धूमधाम से पूजा की जाती है, इस अवसर पर भी बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु यहां आते हैं। *

कल्चरल हेरिटेज का आनंद

अगर आप गोवा की सांस्कृतिक विरासत को देखना चाहते हैं तो यहां कई ऐसे चर्च हैं, जो कई सौ वर्ष पुराने हैं। इनका एक विस्तृत इतिहास है। गोवा के हर शहर में पुर्तगाली संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। कई लोकल गाइड्स आपको पुर्तगाली शैली की बनी इन धरोहरों और बंगलों की सैर करवा सकते हैं। इनके जरिए आप गोवा के उस इतिहास से भी रूबरू हो सकते हैं, जो आज यहां के शोर-शराबे में कहीं दब गया है। *

व्यावसायिक रूप से फायदेमंद चेरी का पेड़

{ उपयोगी पेड़ / वीना गौतम }

चेरी मूल रूप से यूरोप, पश्चिमी एशिया और उत्तरी अमेरिका का फल है। भारत में जंगली चेरी को हिमालयन वाइल्ड चेरी या पद्म कहा जाता है और खाने वाली चेरी जिसकी खेती होती है, उसे प्रूनस एवियम या प्रूनस सिरसस कहते हैं। ये चेरी खास तौर पर व्यावसायिक रूप से फलों के उत्पादन हेतु उगाई जाती है। चेरी का पेड़ पर्यावरण, कृषि और सौंदर्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

होते हैं बहुपयोगी: चेरी का फल लाल, पीला, काला में से किसी भी रंग का हो सकता है। यह खट्टा और मीठा दोनों होता है। हालांकि बाजार में मीठी चेरी की ज्यादा मांग है। जैम, जैली, केक, पेस्ट्री, टार्ट, चॉकलेट और चीज केक आदि के साथ मीठी चेरी के ताजे फल खूब शौक से खाए जाते हैं। गुठलीदार चेरी के फल, जिसे ड्रूप कहते हैं आकार में छोटे, गोल, चमकदार और गहरी त्वचा वाले होते हैं।

इन राज्यों में होता है उत्पादन: चेरी की बढ़ती मांग को देखते हुए हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर और नागालैंड के पहाड़ी इलाकों में अब काफी बड़ी तादाद में चेरी का उत्पादन हो रहा है। साथ ही इन पर्वतीय इलाकों में चेरी की कई नस्लें विकसित की गई हैं, जो अन्य प्रकार के जलवायु में भी विकसित हो सकती हैं। अब तो बिहार, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों और महाराष्ट्र में भी चेरी की बागवानी होने लगी है।

पेड़ की संरचना: चेरी का पेड़ 4 से 15 मीटर तक यानी 13 से 50 फीट तक लंबा हो सकता है। खट्टी चेरी के पेड़ आमतौर पर ठिगने होते हैं। हालांकि चेरी की कुछ बौनी किस्में मीठी भी होती है। चेरी का पेड़ लगाए जाने के 4 से 5 सालों बाद फल देना शुरू कर देता है। इसके पेड़ की सामान्य और स्वाभाविक उम्र 60 साल से ज्यादा होती है, लेकिन यह उत्पादन 40 से 50 सालों तक ही दे पाता है, इसके बाद चेरी में उत्पादन बहुत कम हो जाता है। चेरी के पेड़ों में बारी-बारी से साधारण अंडाकार पत्तियां, गुलाबी लाल रंग की कलियां और सफेद पंखुड़ियों वाले फूल खिलते हैं, जो शुरुआती वसंत के दौरान गुच्छों में दिखाई देते हैं। गोल या दिल के आकार वाला फल चेरी बेहद स्वादिष्ट होता है।

अनुकूल दशाएं: चेरी के पेड़ उगाने के पहले कुछ खास बातें जान लेनी चाहिए। मसलन- चेरी के पेड़ धूप लगने वाली जगह पर अच्छी तरह से विकसित होते हैं, लेकिन इन्हें गर्मी की बजाय मिली-जुली जलवायु चाहिए होती है। ये अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में सबसे ज्यादा विकसित होते हैं। चेरी के पेड़ों को कलम करके लगाना अच्छा रहता है, क्योंकि ऐसा चेरी का पेड़ बेहतर फल उत्पादन करता है।

कम नहीं आर्थिक महत्व: हालांकि अभी भी भारत में बिकने वाली 50 फीसदी से ज्यादा चेरी विदेशों से ही आती है। लेकिन इसकी डिमांड को देखते हुए चेरी की व्यावसायिक खेती किसानों के लिए बेहद उपयोगी और आर्थिक दृष्टि से बहुत फायदेमंद सिद्ध हो रही है। एक किसान, चेरी के पेड़ों की बागवानी करके 50 हजार रुपए प्रति एकड़ से ज्यादा की सालाना इनकम कर सकता है। *

{ जंतु जगत / रजनी अरोड़ा }

हर वर्ष फरवरी-मार्च के महीनों में ओडीशा के समुद्र तटों पर हजारों-लाखों की संख्या में ऑलिव रिडले प्रजाति के कछुए आते हैं। ये यहां क्यों आते हैं और इनकी अन्य क्या विशेषताएं हैं, जानना बहुत रोचक है।

ओडीशा के समुद्र तटों पर
आए ऑलिव रिडले टर्टल्स

जाड़ों के बाद वसंत के दौरान जब मौसम करवट ले रहा होता है, तब ओडीशा राज्य के गंजाम जिले के रुशिकुल्या और गहीरमाथा रुकेरी समुद्र तटों पर अनोखा नजारा दिखता है। दरअसल, इस दौरान बड़ी संख्या में ऑलिव रिडले प्रजाति के मादा कछुए समुद्र तटों पर सामूहिक अंडे देने के लिए आते हैं। मादा कछुओं के ये समूह इन समुद्री तटों पर कुछ समय तक रहते हैं। इन तटों की रेत को अपने पिछले पैरों की मदद से खोदकर शंकु के आकार के सुरक्षित घोंसलेनुमा गड्ढे बनाती हैं। इन घोंसलों में अंडे देकर ये वापस समुद्र में चली जाती हैं।

ऑलिव रिडले की शारीरिक संरचना: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के अनुसार पूरी दुनिया में कई प्रजाति के समुद्री कछुए पाए जाते हैं। इनमें सबसे छोटे और सबसे ज्यादा संख्या में पाए जाने वाले कछुओं में से एक है- ऑलिव रिडले। इसका वैज्ञानिक नाम लेपिडोचैलिस ऑलिवेशिया है। ऑलिव रिडले नाम उनके जैतून (ऑलिव) जैसे हरे रंग और दिल के आकार के शेल (खोल) के कारण पड़ा है। प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर के गर्म पानी में रहने वाले ऑलिव रिडले कछुए, दुनिया भर के लगभग 40 देशों में पाए जाते हैं। ये 2 फुट तक लंबे और 50 किग्रा. तक वजन के होते हैं। ऑलिव रिडले कछुए 14 साल की उम्र तक वयस्क हो जाते हैं।

मूल निवास से दूर देते हैं अंडे: अंडे देने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए ऑलिव रिडले कछुए, अपने मूल निवास स्थान से हजारों किमी. का सफर तय करने के बाद दूर देश के समुद्री तटों पर पहुंचते हैं। ये ज्यादातर भारत, मैक्सिको और कोस्टा रिका के चुनिंदा समुद्र तटों पर ही पहुंचते हैं। भारत की बात करें, तो ओडिशा के रुशिकुल्या और गहीरमाथा रुकेरी समुद्र तट पर ये ऑलिव रिडले, हर साल फरवरी-मार्च के महीने में देखे जाते हैं।

क्यों आते हैं इन तटों पर: ओडिशा के समुद्री तटों पर इन कछुओं के आने की वजह इन दिनों वहां का होने वाला गर्म मौसम है। इसके अलावा तटीय पारिस्थितिकी तंत्र, गर्म रेतीले समुद्र तट की स्थिति अच्छी होना, बारिश कम होने की वजह से तट पर कटाव कम होना, हल्के और कम चौड़ाई के समुद्र तटीय ढलान, पर्याप्त मात्रा में मध्यम कणों वाली रेत या मिट्टी होना, जिसमें अंडे देने के लिए आसानी से गड्ढा खोदकर घोंसला बनाया जा सकता है, समुद्री जल में लवणता की कमी, हवा की गति कम होना, समुद्र की मध्यम लहरें, जो उन्हें समुद्र की ओर जाने में मदद करें, जैसी अनेक वजहें ऑलिव रिडले के अरिबाडा प्रक्रिया (अरिबाडा स्पेनिश भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है, समुद्री रास्ते के जरिए आगमन) के लिए बहुत ही अनुकूल होती हैं। यही वजह है कि फरवरी-मार्च के महीने में बड़ी तादाद में ऑलिव रिडले प्रजाति के कछुए यहां पहुंचते हैं।

वंशानुगत है यह गुण: मादा कछुए के अंडे देने के लगभग 10 हफ्तों के बाद चांदनी रात में इन अंडों में से बच्चे निकलने लगते हैं और समुद्र की ओर भागते हैं। उनमें चमकदार प्रकाश के प्रति कुदरती तौर पर आकर्षण होता है। समुद्र पर पड़ती चांदनी उनके लिए प्रकाश स्तंभ का काम करती है। छोटे-छोटे बच्चे सीधे उसकी तरफ चल पड़ते हैं। समुद्र का यह रास्ता इन कछुओं के ब्रेन में स्टोर हो जाता है। इस वजह से ये नन्हे कछुए प्रजनन योग्य होने पर दोबारा उसी जगह अपने अंडे देने आते हैं, जहां उनका जन्म हुआ था। यानी यह गुण उनमें वंशानुगत आगे बढ़ता रहता है।

घट रही है संख्या: इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के मरीन टर्टल स्पेशलिस्ट ग्रुप के अनुसार ऑलिव रिडले कछुओं की आबादी में 1960 के बाद से 50 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। इन कछुओं को सबसे बड़ा खतरा मछली पकड़ने वाले ट्रालर से होता है। इसके अलावा इनके घोंसलों वाली जगहों के आस-पास शहरी विकास और लाइट्स इनके लिए नुकसानदायक हैं। जिनसे आकर्षित होकर ये कछुए समुद्र से उल्टी दिशा में जाने लगते हैं, जिससे ये बच्चे शिकारियों द्वारा पकड़ लिए जाते हैं या अपना रास्ता भटक जाते हैं। *

{ रंगमंच / शिखर चंद जैन }

देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग किस्म की नाट्य विधाएं प्रचलित रही हैं। इनमें से कई विधाओं में बदलते समय के साथ कई बदलाव आए। ऐसे ही बदलावों को आत्मसात कर असम का घुमंतु थिएटर रंगमंच प्रेमियों को खूब पसंद आ रहा है। विश्व थिएटर दिवस (27 मार्च) पर इनकी विशेषताओं पर एक नजर।

कला-मनोरंजन का अनोखा अनुभव
असम के घुमंतु थिएटर

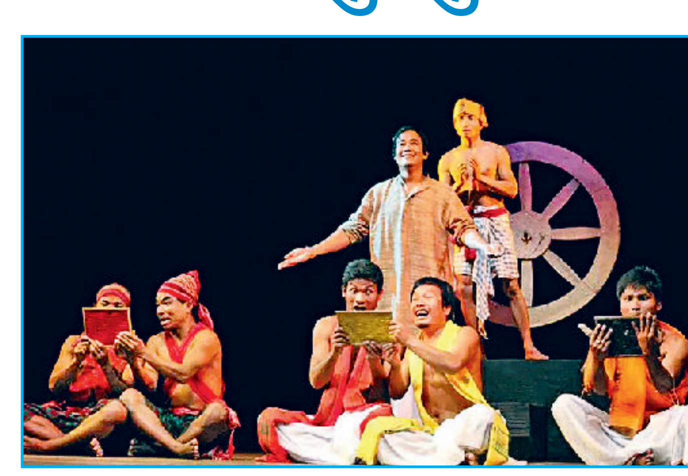

हमारे देश में नाट्य कला की समृद्ध परंपरा रही है। पुराने जमाने में लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन नाटक हुआ करते थे। चाहे पश्चिम बंगाल में 'जात्रा' के नाम से पुकारे जाते हों या उत्तर प्रदेश में 'नौटंकी', महाराष्ट्र में 'तमाशा' के नाम से हों या असम के घुमंतु या भ्राम्यमान थिएटर हों। वक्त बदला, तकनीक बदली। इसके साथ ही लोगों की रुचि भी बदली।

समय के साथ बदला स्वरूप: परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है, जो वक्त के साथ बदल गया, वह अपने अस्तित्व को बचाने में सक्षम रहा और जो नहीं बदल पाया, वह खत्म हो गया। असम का घुमंतु थिएटर इस मामले में सौभाग्यवान रहा। समझदार कला-प्रेमियों ने वक्त की नजाकत को समझा और लोगों की रुचि के अनुरूप इसे आधुनिक कथावस्तु और तकनीक से सुसज्जित कर आधुनिक बना दिया। संभवतः इसीलिए सैटेलाइट चैनलों और थ्री डी फिल्मों के इस दौर में आज असम में 20 से ज्यादा घुमंतु यानी मोबाइल थिएटर समूह सक्रिय हैं। ओटीटी के बढ़ते चलन के बावजूद ये थिएटर लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है, जब आइनॉक्स, पीवीआर और हॉल में सिनेमा प्रोजेक्शन भी पहले की तरह दर्शकों को आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं।

विशेषताएं हैं कई: परंपरा का नवीनता के साथ सम्मिश्रण, भावनात्मक गहराई के साथ सजीव प्रदर्शन और मजबूत सामुदायिक संबंध, यही वजह है कि इन मोबाइल थिएटरों ने गांवों और कस्बों में समान रूप से अपनी कहानियों को जीवंत कर दिया है। आज भी हजारों लोग थिएटर बनाने में लगे हुए हैं- निर्देशकों, अभिनेताओं से लेकर तकनीशियनों तक, जो मानते हैं कि मनोरंजन के इस रूप की जगह कोई नहीं ले सकता। यहां हिंगूल, कोहीनूर, आवाहन और श्रीमंत शंकर देवा जैसे बड़े नाटक समूह भी हैं, तो भाग्यदेवी जैसी छोटी कंपनियां भी।

पहियों पर सवार कारवां: असम के चलायमान, भ्राम्यमान, मोबाइल या घुमंतु थिएटरों में कलाकारों, तकनीशियनों और सहायकों का समूह ट्रकों, बसों और कारों में सफर करते हुए एक जगह से दूसरी जगह भ्रमण करते हैं। जहां सही जगह और दर्शक पाते हैं, वहीं शामियाना लगा लेते हैं। डेरे डाल देते है। साथ में चल रहे रसोइए चूल्हे जलाते हैं। भोजन पकाते हैं और काफिले में चल रहे लोगों को पेट-पूजा करवा कर, उनमें अगले दिन से शो की तैयारी के लिए ऊर्जा भर देते हैं।

बदल गई थीम और तकनीक: आज का मोबाइल थिएटर बीते दिनों की तुलना में बिल्कुल बदल चुका है। आज इनकी कहानियां शेक्सपियर के नाटकों और हॉलीवुड की धमाकेदार फिल्मों 'दी लॉस्ट वर्ल्डः जुरासिक पार्क', 'एनाकोंडा', 'टाइटेनिक' आदि से भी ली जाती हैं। डायनासोर या विमान अपहरण के दृश्यों को जीवंत करने के लिए इनका बजट भी लाखों में होने लगा है। इनका म्यूजिक भी पूरी तरह डिजिटल हो चला है।

सबका मन जीत रहा थिएटर: इन थिएटरों की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्थानीय फिल्म और संगीत उद्योग के चर्चित कलाकार भी इसमें भूमिका निभाने लगे हैं। फिल्म 'इश्किया' में विद्या बालन के पति की भूमिका निभाने वाले अभिनेता आदिल हुसैन ने एक दशक पहले मोबाइल थिएटर से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। थिएटर की दुनिया की चर्चित शख्सियत और पद्मश्री अवार्ड विजेता रतनथियम कहते हैं, 'असम का मोबाइल थिएटर देश के सर्वाधिक सक्रिय थिएटर मूवमेंट्स की गिनती में आता है।'

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से स्नातक बिप्लब बोरकाकोटी, जो इस पर रिसर्च कर रहे हैं, बिजली की फूर्ति से स्टेज पर दृश्य बदलने की कला से अभिभूत हैं। वे कहते हैं, 'पूरी टीम का सामंजस्य देखने लायक होता है। वक्त के साथ स्क्रिप्ट भी बदल गई है। 60 के दशक में मैलोड्रामा चलता था, जिसमें शाहजहां और अनारकली का राज था। असम आंदोलन के समय थीम राजनीति पर आधारित हो गई, बाद में रोमांस, रोमांच और एक्शन का जमाना आ गया।' *

क्या है रंगमंच

ब्रिटैनिका के मुताबिक रंगमंच, वास्तुकला में, एक इमारत या स्थान है, जिसमें दर्शकों के सामने प्रदर्शन किया जा सकता है। थिएटर शब्द ग्रीक भाषा के 'थिएट्रॉन' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'देखने की जगह।' एक थिएटर में आमतौर पर एक मंच क्षेत्र होता है, जहां प्रदर्शन होता है। प्राचीन काल से ही थिएटरों के विकसित डिजाइन को बड़े पैमाने पर कलाकारों को देखने और सुनने के लिए दर्शकों की शारीरिक आवश्यकताओं और प्रस्तुत गतिविधि की बदलती प्रकृति द्वारा निर्धारित किया गया है।

फिल्म छावा के बाद से शुरू औरंगजेब विवाद की आंच में नागपुर झुलस गया। अमूमन शांत रहने वाली संतरा नगरी में औरंगजेब की कब्र और सोशल मीडिया पर अफवाह को लेकर हुई हिंसा चिंता पैदा करती है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे सुलझे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह की अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? नागपुर में हिंसा के दौरान भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा। इसके पीछे कौन लोग हैं, किनकी साजिश है? यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न दिखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा नहीं बना जा सकता। औरंगजेब की कब्र, आयत अफवाह के पीछे की साजिश व राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझें

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। केवल तत्कालीन गुस्से में हुई त्वरित प्रतिक्रिया में इस तरह की हिसा संभव नहीं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बयान भी दिया कि यह एक सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। वैसे भी इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव ही नहीं है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नागपुर हिंसा मामले में 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी।

औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध

संक्षेप में घटनाक्रम को देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। एक तरफ यह हो रहा था और दूसरी तरफ माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचे और लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। इसके साथ सोशल मीडिया पर चारों तरफ इसकी अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई हैं, लोगों को घर से निकलने की अपील की गई।

सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में उनके दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम थाने से आकर 400-500 लोगों के साथ, जिनके हाथों में हथियार थे, ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हथियार दिखाकर लोगों को डराना शुरू किया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हो, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों, पत्थरों, लाठी, रॉड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो अब इन पर टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की कैसी मनोदशा होगी। भीड़ द्वारा भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई।

महिला पुलिस के साथ दुर्व्यवहार

सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में एक विशेष समुदाय के लोगों ने बिल्कुल आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में एकत्रित होकर हिंसा शुरू की। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले दागे गए।

दुकानें सुबह से ही बंद क्यों रखी गईं

नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पार्ट्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़ियां इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, 'जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

झूठा प्रचार कर भड़काई गई हिंसा

इस तरह की भयानक घटना को अगर हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट नाम बोला जाए तो फिर परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था।

कोई संगठन या संगठनों का समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले करने की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं। भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं।

इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों

मानकर चलना चाहिए कि इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाना ही ऐसी समस्याओं के निदान का आधार नहीं हो सकता । यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। आखिर कोई समूह औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गया? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या अपने इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं, कहां से पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है।

बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति

केवल औरंगजेब नहीं, उत्तर प्रदेश से महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर, लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होता? यह ऐसी विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध हर तरह के अत्याचार, उनके पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करने को सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ हर तरह के बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है। यह चिंतनीय है, सरकार देखे।

औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का कारण बना हुआ है तथा भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करने के समान है जो भविष्य में सबके लिए आत्मघाती साबित होगा।

शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, 'नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।' हिंसा कौन कर रहे थे यह साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ ही दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित।

सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। हमारा मानना है कि आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

भविष्यदृष्टा नहीं हो सकती इतिहासजीवी राजनीति

दो टूक
राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और फिर से विश्व गुरु बनने को आतुर भारत की परिपक्वता पर सवालिया निशान भी है कि 21वीं शताब्दी में वह 17वीं शताब्दी के इतिहास का बंधक नजर आये। तात्कालिक संदर्भ 1707 में दुनिया से विदा हो चुके मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र का है, जिसे तोड़ने की मांग 21वीं शताब्दी में कुछ संगठनों का एजेंडा बन गयी है। लगभग 49 साल भारत पर शासन करने वाले औरंगजेब की क्रूरता के किस्से इतिहास में भी कम नहीं मिलते, पर उसकी कब्र से बदला लेकर गौरव बहाल करने की सोच विवादास्पद फिल्म छावा से उपजी है। विडंबना देखिए कि जवाब में औरंगजेब की महानता का बखान करने वाले भी पीछे नहीं रहना चाहते। एक आक्रांता में नायक देखने वाले या तो मानसिक विकृति से ग्रस्त हैं या किसी फिर साजिश का हिस्सा। बेशक औरंगजेब और उसकी कब्र पर विवाद नया नहीं है। ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मुखिया, सांसद असदुद्दीन ओवेसी ही कम से कम दो बार औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ाकर महाराष्ट्र में अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन अक्सर शांति, सौहार्द और विकास के लिए चर्चा में रहने वाले नागपुर को झुलसा देने वाली सांप्रदायिक हिंसा को तीली दिखाने का काम सपा नेता अबू आजमी ने किया।

छावा का सांप्रदायिक धावा

अपनी बयानबाजी से अतीत में भी विवादों में रहे अबू आजमी ने इस बार औरंगजेब को 'अच्छा बादशाह' होने का प्रमाणपत्र देने का जिम्मा उठाया। यह बहस का विषय है कि अबू को यह मौका फिल्म छावा से औरंगजेब के विरुद्ध भड़कती भावनाओं और बयानबाजी ने दिया या उन्होंने स्वयं लपक लिया। लपकने की कला में ज्यादातर राजनेता कुशल होते हैं। आजमी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे पर आजमी ने कहा कि उसने कई मंदिर बनवाये भी। आजमी ने दावा किया कि औरंगजेब 'महान प्रशासक' था, जिसकी सेना में कई हिंदू कमांडर भी थे। हालांकि विवाद बढ़ते देख विधानसभा से निलंबन के बाद आजमी ने अपना बयान वापस ले लिया। अबू आजमी ने सफाई भी दी कि उन्होंने तो असम के मुख्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से किये जाने पर प्रतिक्रिया दी और औरंगजेब की बाबत कई इतिहासकारों द्वारा लिखी गयी बातों को ही दोहराया था। कहना मुश्किल है कि बिना विवाद के छावा बॉक्स ऑफिस पर ऐसी सफलता हासिल कर पाती। छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज पर केंद्रित छावा में औरंगजेब की क्रूरता से महाराष्ट्र के बाहर भी भावनाएं भड़कने की खबरें आयीं। इतिहास में कई तरह के संदेह और सवालों से घिरे संभाजी तो छावा से नायक बन गये, लेकिन भारत और भारतीयों के दमन और शोषण से दागदार दामनवाले औरंगजेब की खलनायकी के जख्म ताजा हो गये।

देर से जागा पुलिस-प्रशासन

खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नागपुर हिंसा के लिए छावा फिल्म को जिम्मेदार

बताया। ऐसे में मराठी साहित्यकार शिवाजी सावंत के उपन्यास छावा पर बनी इस फिल्म को भाजपा शासित राज्यों में टैक्स फ्री करने की होड़ और उसके मंसूबों पर भी सवाल उठेंगे ही। फिल्म में चित्रित औरंगजेब की क्रूरता और उसके द्वारा संभाजी महाराज की यातनापूर्ण हत्या के मद्देनजर हिंदूवादी संगठनों ने उसकी कब्र तोड़ने की मांग उठायी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी वहीं है। हिंसा के बाद पुलिस-प्रशासन जितना चुस्त नजर आया, अगर वैसा पहले से रहता तो नागपुर को झुलसने से बचाया जा सकता था। आम तौर पर मुगल बादशाहों की कब्र या मकबरे शानदार हैं, लेकिन औरंगजेब की कब्र अपवाद है। कहा जाता है कि खुद औरंगजेब चाहता था कि उसे आध्यात्मिक गुरु सूफी संत शेख जैनुद्दीन की दरगाह के पास ही दफना कर साधारण कब्र बनायी जाये। पहले यह मिट्टी की बनी साधारण कब्र थी, जिस पर अंग्रेज शासन के दौरान वायसराय लार्ड कर्जन ने संगमरमर और जाली लगवायी। इतिहास बताता है कि भारत में मुगल सल्तनत का सर्वाधिक विस्तार औरंगजेब के शासनकाल में ही हुआ, पर उसी के अंतिम दिनों में वह सिमटने भी लगा था। मराठा साम्राज्य का दबदबा बढ़ने लगा था। ताजा विवाद शुरू भले महाराष्ट्र से हुआ, लेकिन वहां तक सीमित नहीं रहा। आक्रांताओं का महिमा मंडन करने वालों को सबक सिखाने की धमकियां राष्ट्रव्यापी हैं। मनोविज्ञान को समझें तो इतिहास बेहद संवेदनशील जटिल चीज है। प्रतिशोध मानवीय स्वभाव है, जिसके चलते ज्यादातर विवाद और झगड़े होते हैं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा भी नहीं बना जा सकता। इसलिए हमें व्यक्ति हो या राष्ट्र, सभी के जीवन में इतिहास की सही भूमिका समझनी चाहिए। निश्चय ही इतिहास से नजरें चुराकर उसे भूलना आत्मघाती भी साबित हो सकता है, लेकिन इतिहास से प्रतिशोध के बजाय सही सबक सीखने चाहिए।

प्रतिशोध नहीं, सबक जरूरी

औरंगजेब की 300 साल पुरानी कब्र खोदने से यह ऐतिहासिक सच तो नहीं मिट जायेगा कि भारत पर लंबे समय तक मुगलों ने राज किया और उसमें भी सबसे लंबा शासनकाल औरंगजेब का रहा। कब्र तोड़ देने से औरंगजेब की क्रूरता के जख्मों का एहसास भी नहीं चला जायेगा। हां, अगर हम उन परिस्थितियों और कारणों का विश्लेषण कर सही सबक सीखें, जिनके चलते कभी सोने की चिड़िया कहा गया भारत एक-के-बाद-एक अनेक आक्रांताओं का गुलाम बना, तो शायद हमें अपना गौरव बहाल करने में मदद मिल पाये। बेशक यह कह देने जितना आसान भी नहीं है। यह तभी संभव है, जब हम बार-बार इतिहास के जख्म दिखाकर अपनी सत्ता राजनीति चमकाने के खेल के खतरों को समझें और यह काम कोई एक पक्ष नहीं कर सकता। कुछ दशकों से जिस तरह इतिहास या वर्तमान के जरिये भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति जोर पकड़ रही है, उसमें कई बार तो सुनियोजित मिलीभगत भी लगती है। अगर औरंगजेब के जरिये हताश असदुद्दीन ओवैसी और अबू आजमी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं तो उसकी कब्र खोदने की बात कहने वाले भी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की जवाबी भावनाओं के जरिये अपनी चुनावी बिसात ही बिछा रहे हैं। लगभग साढ़े तीन दशक पहले देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल पूरे देश में कारगर चुनावी रणनीति बन गया है। सम्भल, बहराइच से लेकर कर्नाटक में ठेकेदारी में भी अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण तक के पीछे यही मानसिकता काम कर रही है कि विकास से ज्यादा धार्मिक भावनाएं सत्ता राजनीति में संभावनाएं बेहतर बनाती हैं। जब तक राष्ट्र हित में समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक जीवित लोगों के बेहतर भविष्य के बजाय मुर्दा लोगों के नाम पर सत्ता राजनीति परवान चढ़ती रहेगी।

छावा विवाद से किसका नफा या नुकसान

विमर्श
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

राष्ट्रविरोधी ताकतों को फायदा

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा। इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है।

यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सीलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है।

सीएम के बयान पर भी विवाद

यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर

मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी। अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है। वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी?

सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। अब तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है।

खेमेबंदी को त्यागना जरूरी

इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी। भारतवासियों को अपनी तकदीर खुद लिखनी होगी।

पुलिस पर हमला करने वालों पर कठोर से कठोर धाराएं लगाई जाएंगी

हिंसा के पांचवें दिन एक शख्स की मौत एक और गिरफ्तारी, जांच क्राइम ब्रांच को

नागपुर हिंसा से हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों से की जाएगी : देवेन्द्र फडणवीस

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि सरकार नागपुर हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई संपत्तियों की कीमत दंगाइयों से वसूलेगी और भुगतान नहीं करने पर उनकी संपत्तियों को जब्त कर बेचा जाएगा। फडणवीस ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करने के बाद अब तक 104 दंगाइयों की पहचान की गई है और कानून के अनुसार 12 नाबालिगों सहित 92 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान पवित्र आयत लिखी चादर जलाए जाने की अफवाहों के बीच हिंसक भीड़ ने सोमवार शाम नागपुर के कई इलाकों में पथराव और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया था। हिंसा के परिणामस्वरूप शहर के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर पथराव और आगजनी हुई, जिसमें पुलिस उपायुक्त स्तर के तीन अधिकारियों सहित 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

कुछ इलाकों से हटाया गया कर्फ्यू

शनिवार शाम को शहर के पचपावली, शांतिनगर, लकड़गंज, सक्करदरा और इमामवाड़ा पुलिस स्टेशन के इलाकों से कर्फ्यू हटा लिया गया है। शाम 7 बजे से रात 10 बजे के बीच कोतवाली, तहसील और गणेशपेठ इलाकों में कर्फ्यू में ढील दी जा रही है। रात 10 बजे के बाद इन जगहों पर कर्फ्यू लागू रहेगा। यशोधरानगर में कर्फ्यू लागू रहेगा। फडणवीस ने बताया कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि हिंसा में कोई विदेशी या बांग्लादेशी एंगल था। हालांकि इसकी जांच की जा रही है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल नागपुर दौरे पर आया था, उसमें एक सदस्य अकोला हिंसा में आरोपी है। उन्होंने बताया कि हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर दौरा प्रभावित नहीं होगा।

घायल इरफान ने तोड़ा दम

नागपुर हिंसा में घायल 38 वर्षीय इरफान अंसारी की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। नागपुर हिंसा में इरफान अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनको शहर के मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया था।इरफान के भाई इमरान सानी ने कहा कि हमने उसे बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन हम नहीं बचा पाए, डॉक्टरों ने उसका अच्छा इलाज किया।

बांग्लादेशी कनेक्शन भी

साइबर सेल की चौकसी से बड़ा खुलासा हुआ है। इस हिंसा के बाद माहौल बिगाड़ने में बांग्लादेश कनेक्शन सामने आया है। पता चला जो हिंसा हुई, उसके बाद बांग्लादेश से सोशल मीडिया पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। वहां के एक यूजर ने दंगे को छोटा दंगा बताते हुए और बड़े दंगे कराने की धमकी दी।

12 नाबालिग समेत 104 उत्पाती गिरफ्तार

अब तक 12 नाबालिगों समेत 104 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और लोगों को गिरफ्तार करेगी। जो लोग दंगे में शामिल हैं या दंगाइयों की मदद कर रहे हैं, उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को भी सह-आरोपी बनाया जाएगा। अब तक 68 सोशल मीडिया पोस्ट की पहचान कर उन्हें हटाया गया है। फडणवीस ने बुलडोजर एक्शन को लेकर कहा कि जहां चलाने की आवश्यकता होगी, वहां बुलडोजर चलाया जाएगा। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दंगा करने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने किया राज्य का दौरा

प्रतिनिधिमंडल ने मणिपुर जातीय हिंसा के विस्थापितों से मुलाकात की, राहत शिविरों का दौरा भी किया

एजेंसी ⏭ इंफाल

सुप्रीम कोर्ट के जजों जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह वाला प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपर में मणिपुर की जातीय हिंसा के विस्थापितों से मुलाकात की। राहत शिविरों का दौरा भी किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल बिष्णुपुर के मोइरांग कॉलेज पहुंचा। चुराचांदपुर में 295 विधिक सेवा शिविर, स्वास्थ्य शिविर और विधिक सहायता क्लिनिक का

जस्टिस गवई ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- हमारे संविधान का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पहुंचाना है। वहीं, जस्टिस कोटिश्वर सिंह ने कहा- मेरा मानना है एक दिन मणिपुर समृद्ध होगा। हमें अपने संविधान पर भरोसा रखना चाहिए।

देश के सभी नागरिकों को न्याय उपलब्ध कराना है

जस्टिस गवई ने कहा- देश के सभी नागरिकों को तुरंत और सस्ता न्याय (कम से कम खर्च में) उपलब्ध कराना है। हमने देश के उन दूर-दराज भागों तक पहुंचने का प्रयास किया, जो दिल्ली से बहुत दूर हैं। उन्होंने कहा कि ऐरे सिद्धांत बहुत जरूरी है जो किसी न्यायपूर्ण समाज के लिए, सुलभता, न्याय तक पहुंच, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बनाए। उन्होंने कहा कि मणिपुर लोगों को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन आपको यह समझना चाहिए कि हमारे संविधान ने हमें एकजुट रखा है।

24 माह की देरी के बाद एचएएल को जीई से मिलेगा पहला 'एफ-404 इंजन'!

नई दिल्ली (ब्यूरो)। 'देर आए दुरुस्त आए' वाली कहावत तो सभी ने सुनी है। लेकिन वर्तमान में यह भारतीय वायुसेना पर पूरी तरह से फिट बैठती हुई नजर आ रही है क्योंकि अमेरिका की रक्षा उत्पादों के लिए इंजन बनाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को मार्च अंत तक तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के लिए पहले 'एफ-404' इंजन की आपूर्ति करने के लिए अपनी कमर कस ली है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच वर्ष 2021 में हुए 716 मिलियन डॉलर के समझौते के बाद अमेरिकी कंपनी को एचएएल को कुल 99 एफ-404 इंजनों की सप्लाई का आगाज दो साल पहले यानी 2023 में ही कर देना चाहिए था। लेकिन वैश्विक कोरोना महामारी की वजह से सप्लाई चेन में आई दिक्कतों और अन्य देशों के साथ पूर्व निर्धारित समझौतों की समयबद्ध आपूर्ति की वजह से एचएएल को दो साल की देरी के बाद आखिरकार जनरल इलेक्ट्रिक से जी-404 की जल्द सप्लाई शुरू की जाएगी।

विश्व जल दिवस पर प्रधानमंत्री ने कहा

जल संरक्षण और इसके सतत विकास के प्रति सरकार प्रतिबद्ध

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएमनरेंद्र मोदी ने विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण और सतत विकास के प्रति

सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पानी बचाने पर जोर दिया और जल सुरक्षा के लिए चल रहे प्रयासों को उजागर किया। हर साल 22 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व जल दिवस 1993 से शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य ताजे पानी के महत्व को उजागर करना और सतत विकास लक्ष्य 6 को पूरा करना है।

यह जीवन का आधार और अहम संसाधन

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, विश्व जल दिवस पर हम जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को दोहराते हैं। जल ही जीवन का आधार है। जल जीवन का आधार और दुनिया का सबसे अहम संसाधन है। पीएम मोदी ने जल संकट को देश के विकास के लिए भी खतरा बताया।

थरूर-पांडा की सेल्फी पर सवाल

सेम डायरेक्शन... मैं केवल भुवनेश्वर के लिए सहयात्री था

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर सेल्फी को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बार

सेल्फी में शशि थरूर भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के साथ दिख रहे हैं। कुछ समय कांग्रेस और शशि थरूर के बीच आपसी मतभेद की खबरें हैं। थरूर की नई सेल्फी कई तरह के सवाल पूछ जरूर खड़े कर रही है। इस बार की ये सेल्फी पांडा ने साझा किया है।

हम एक ही दिशा में यात्रा कर रहे थे

पांडा ने शुक्रवार रात फोटो शेयर किया। मेरे मित्र और सहयात्री ने मुझे यह कहने पर शरारती कहा कि हम अंततः एक ही दिशा में यात्रा कर रहे हैं। पांडा के इस पोस्ट का जवाब देते हुए थरूर ने लिखा कि यात्रा के दौरान की सेल्फी थी। मैं सिर्फ एक सहयात्री था। केवल भुवनेश्वर के लिए सहयात्री! मैं सुबह कलिंग लिटफेस्ट को संबोधित कर रहा हूं।

प्राचीन गणेश व काली मंदिर पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अतिक्रमण हटाने का काम भी चल रहा है। शनिवार तड़के यमुना नगर

में पुराने मंदिरों पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। यमुना बाजार में सिंदूरी गणेश ,काली मंदिर को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। लोगों का दावा है कि इन मंदिरों का निर्माण 1902 में हुआ था। नाराज लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कई नेताओं ने दी बिहार दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं

दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। बिहार दिवस पर सभी बिहारवासियों को हार्दिक बधाई! इस पावन भूमि ने भारतीय इतिहास को गौरवान्वित किया है। सात अन्य नेताओं ने भी बदाई दी है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, यमुना सफाई जलनिकासी पर केंद्रित होगा दिल्ली का बजटः सीएम

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा सरकार का वित्त वर्ष 2025-26 का बजट महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, बेहतर बुनियादी ढांचे, प्रदूषण नियंत्रण और जलनिकास पर केंद्रित होगा। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 से 28 मार्च तक चलेगा। बजट 25 मार्च को पेश किया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बजट तैयार करने के लिए पेशेवरों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए हैं। उन्होंने कहा कि हितधारकों से ईमेल के जरिए 3,303 और व्हाट्सएप के जरिए 6,982 सुझाव मिले। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को खीर समारोह के साथ शुरू होगा। उन्होंने कहा कि बजट में जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान दिया जाएगा और इसमें रोजगार सृजन के प्रावधान होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित दिल्ली' के सपने को पूरा करे।

- 25 मार्च को पेश किया जाएगा बजट
- पेशेवरों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए
- ईमेल के जरिए 3,303 और व्हाट्सएप के जरिए 6,982 सुझाव मिले

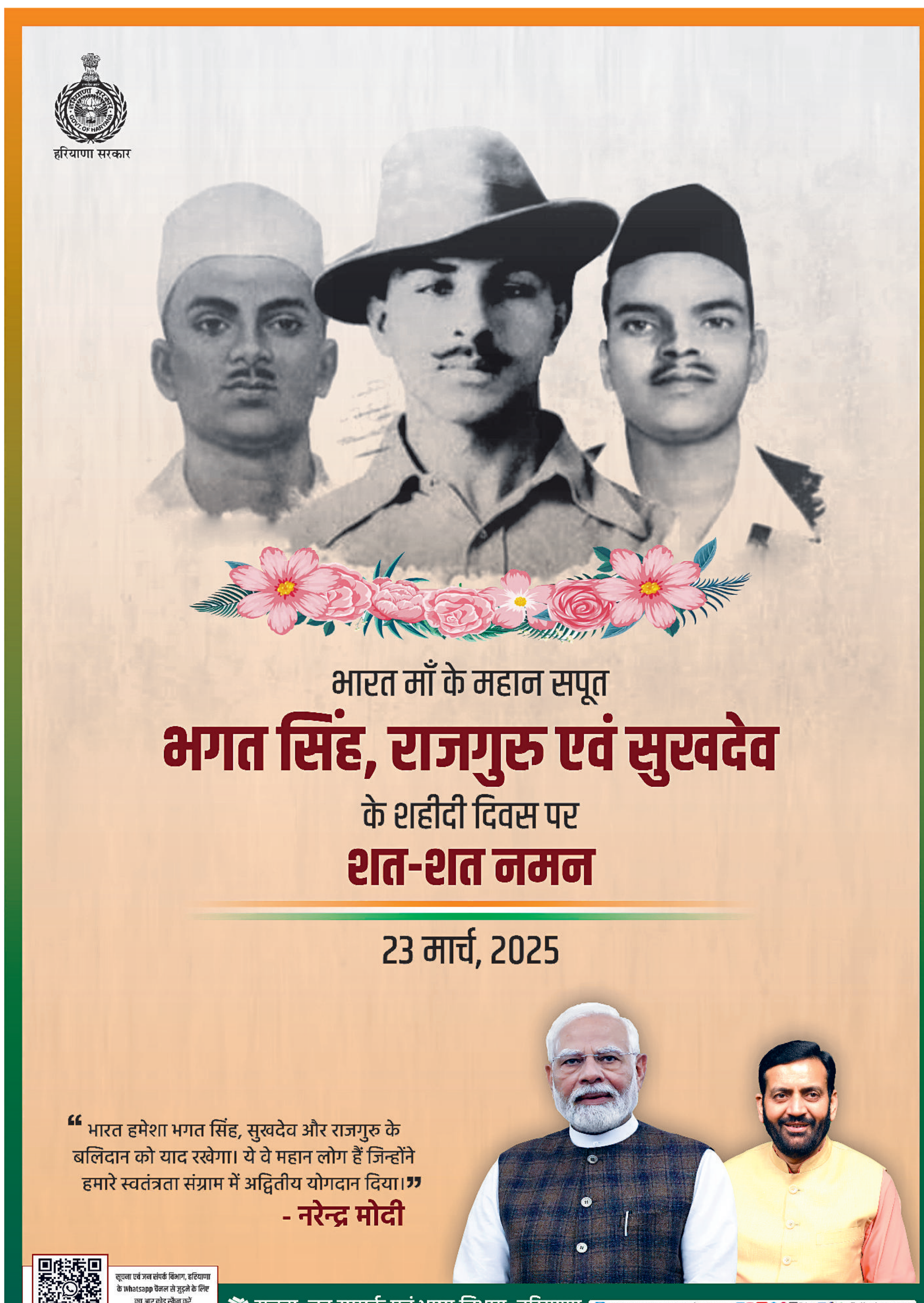

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

खबर संक्षेप

भारत-ईयू समुद्री सुरक्षा वार्ता आयोजित

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने 21 मार्च को दिल्ली में चौथी भारत-ईयू समुद्री सुरक्षा वार्ता आयोजित की। इसमें दोनों पक्षों ने समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करने और वैश्विक कल्याण के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुआनपुई सैयावी, संयुक्त सचिव ने किया। वहीं, ईयू प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मेसिएज स्टाडेजेक, निदेशक , यूरोपीय बाह्य कार्रवाई सेवा ने किया।

मैकग्रेगर आयरलैंड के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ेंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के बाद अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप

(यूएफसी) के जाने-माने फाइटर कॉनर मैकग्रेगर ने शुक्रवार को आयरलैंड के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। मैकग्रेगर(यूएफसी के कई बार चैंपियन भी रह चुके हैं। निजी और पेशेवर जिंदगी में लगातार विवादों का हिस्सा रहा है।

35000 डॉलर में नीलाम हुआ ट्विटर का लोगो

न्यूयॉर्क। ट्विटर के सेन फ्रांसिस्को स्थित मुख्यालय में लगा मशहूर चिड़िया वाला लोगो करीब 35,000 अमेरिकी डॉलर में नीलाम हुआ। एलन मस्क के ट्विटर को एक्स में बदलने के बाद यह लोगो हटा दिया गया था। नीलामी करने वाली कंपनी आरआर ऑक्शन के मुताबिक, इस लोगो का वजन 254 किलो था और यह 12 गुणा 9 फीट का था।

रांची में आदिवासी संगठन सड़कों पर उतरे

रांची (भाषा)। झारखंड की राजधानी रांची में 'सरना स्थल' (आदिवासियों के पवित्र धार्मिक स्थल) के पास फ्लाईओवर के निर्माण के विरोध में 18 घंटे के बंद को लागू कराने के लिए विभिन्न आदिवासी संगठनों के कार्यकर्ता शनिवार सुबह सड़कों पर उतरे।

इजराइली इंटेलिजेंस चीफ को हटाने को लेकर पीएम और अटॉर्नी जनरल में ठनी

पीएम नेतन्याहू ने रोनन बार को पद से हटाया, फैसले पर कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी ▶▶| यरुशलम

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अटॉर्नी जनरल गाली बहारव-मीआरा के बीच घरेलू सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनन बार को हटाने को लेकर विवाद हो गया है। बहारव-मीआरा ने निर्देश जारी कर नेतन्याहू को किसी भी तरह की कार्रवाई से रोक दिया है। इससे पहले न्यायालय ने बार को हटाने के फैसले पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा कि नए शिन बेट प्रमुख की नियुक्ति पर प्रतिबंध है।' इसके साथ ही उन्होंने इस पद पर नियुक्ति के लिए किसी भी तरह के साक्षात्कार पर भी पाबंदी लगा दी है। इजराइली मीडिया के अनुसार, नेतन्याहू कैबिनेट ने रविवार को बहारव-मीआरा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री के साथ हुए विवाद के कुछ घंटे बाद ही उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। इससे पहले शुक्रवार को, उच्च न्यायालय ने बार की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी थी। नेतन्याहू के फैसले को चुनौती देते हुए विपक्षी दलों ने याचिका दायर की थी। आरोप था कि नेतन्याहू टकराव की वजह से बार को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष के मुताबिक, सरकार की सुरक्षा नीतियों को लेकर की गई जांच को लेकर नेतन्याहू शिन बेट से नाराज हैं और इसी कारण बार को पद से हटाना चाहते हैं।

- आज नेतन्याहू कैबिनेट ने बहारव-मीआरा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करेगी

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याह

खुफिया एजेंसी शिन बेट चीफ रोनन बार

नेतन्याहू ने किया गृह युद्ध का जिक्र

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन ने इस निर्देश को खारिज कर दिया और सरकार की सुरक्षा नियुक्तियों पर अधिकार को फिर से स्पष्ट किया। उनके कार्यालय ने कहा कि इजराइल में कानून का राज है और कानून के अनुसार सरकार तय करती है कि शिन बेट का प्रमुख कौन होगा। इसे लेकर सिविल वॉर नहीं होगा।'

कतर गेट का उठाया था मुद्दा

बता दें कि बार का कार्यकाल पहले 20 अप्रैल को समाप्त होने वाला था, जिसे कैबिनेट ने 10 अप्रैल तक कर दिया था। हालांकि, अधिकारियों ने संकेत दिया कि वह नए प्रमुख की नियुक्ति के बाद जल्दी भी जा सकते हैं। हमास-इजराइल युद्ध के बाद से नेतन्याहू और बार के बीच तनाव बढ़ गया है, शिन बेट ने सरकार के युद्धकालीन निर्णय और कतर-गेट मामले को प्रमुखता से उठाया था। इसमें नेतन्याहू के सहायकों और कतरी अधिकारियों के बीच कथित अनौपचारिक संपर्कों का मामला भी था।

इजराइली सेना गाजा में और अंदर घुसी

यरुशलम(एजेंसी)। इजराइली सेना गाजा पट्टी में और अंदर तक घुस गई है और उसने युद्धग्रस्त क्षेत्र के एकमात्र कैंसर अस्पताल को भी नष्ट कर दिया है। इजराइली नेताओं ने कहा है कि ज्ञको नियंत्रण में ले लिया। इस युद्धविराम के कारण जनवरी के अंत से गाजा में अपेक्षाकृत शांति रही और दो दर्जन से अधिक बंधकों की रिहाई में मदद मिली है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने तुर्की-फिलिस्तीनी मैत्री अस्पताल पर हमला किया।

इजराइल ने लेबनान में गोलीबारी की

बेरूत (लेबनान)। इजराइल ने उसे निशाना बनाकर दागे गए रॉकेट के जवाब में शनिवार को लेबनान पर हमला किया। इससे पहले, दिसंबर के बाद से दूसरी बार लेबनान से इजराइल पर रॉकेट दागे गए, जिससे इस बात को लेकर चिंता पैदा हो गई कि क्या लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम कायम रहेगा या नहीं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि उसने सेना को लेबनान में कई ठिकानों को निशाना बनाने का निर्देश दिया है। गाजा से हमास के हमले के अगले दिन हिजबुल्ला ने इजराइल में रॉकेट, ड्रोन और मिसाइलें दागना शुरू कर दिया था।

मेरठ हत्याकांड में पोस्टमार्टम से खुलासा

सौरभ की क्रूरता से हत्या करने के बाद शव के कई टुकड़े किए

भाषा ▶▶| मेरठ (उप्र)

मर्चेंट नेवी के पूर्व अधिकारी सौरभ राजपूत के पोस्टमार्टम से पता चला है कि उनकी किस अत्यंत क्रूरता से हत्या की गई थी तथा उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और प्रेमी साहिल शुक्ला ने कथित तौर पर उनके शव के कई टुकड़े किए थे। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों ने बताया कि सौरभ राजपूत के दिल पर तीन बार बहुत जोर से वार किया गया था, जो लगातार और हिंसक हमले का संकेत है। उन्होंने बताया कि सौरभ राजपूत का दिल चीरने के बाद उसके गर्दन और दोनों हथेलियों को काटा गया। शव को ड्रम में घुसाने के लिए उसके चार टुकड़े किए गए थे।

आरोपी साक्ष्य छिपाने को छह दिन कसोल में रुके

शिमला। मेरठ में पति सौरभ की हत्या करने के मामले में गिरफ्तार मुस्कान रस्तोगी और प्रेमी साहिल शुक्ला इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के बाद छह दिनों तक हिमाचल प्रदेश के कसोल में ठहरे थे। हिमाचल गए और 17 मार्च को मेरठ लौट आए। कसोल स्थित होटल संचालक अमन ने बताया कि मुस्कान व साहिल ने खुद को पति-पत्नी बताया वे 10 मार्च से 16 को चले गए। आरोपियों को जल्द सजा दिलाने के लिए पुलिस मुकदमा त्वरित अदालत में चलाने की कोशिश करेगी।

मुकदमा त्वरित अदालत में चलाने की कोशिश करेगी मेरठ पुलिस

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में युद्धपोत को लांच

नई दिल्ली (ब्यूरो)। क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपनी पत्नी नीता सेठ के साथ शनिवार को स्वदेशी रूप से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित 1135.6 परियोजना के दूसरे जंगी स्टेल्थ फ्रिगेट 'तवास्य' को गोवा में लांच किया। इस दौरान आयोजित किए गए समारोह में नौसेना की पश्चिमी कमांड के प्रमुख (एफओसी-इन-सी) वाइस एडमिरल संजय.जे. सिंह और कई अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद रहे। नौसेना ने एक बयान में बताया कि तवास्य युद्धपोत दरअसल 1135.6 परियोजना के दो युद्धपोतों के निर्माण से जुड़ा हुआ एक फॉलो ऑन जहाज है। 25 जनवरी 2019 में इनके निर्माण के लिए रक्षा मंत्रालय और जीएसएल के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों युद्धपोत दुश्मन पर सतह से, पानी के नीचे से और हवाई क्षेत्र से हमला करने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे पर एक दिन बंद रहने के बाद उड़ानें फिर से शुरू

लंदन (एपी)। लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा कि बिजली उप केंद्र में आग लगने के कारण लगभग एक दिन तक बंद रहने के बाद शनिवार को यह "पूरी तरह से चालू" हो गया। लेकिन एयरलाइनों ने चेतावनी दी है कि गंभीर व्यवधान कई दिनों तक जारी रहेगा क्योंकि उन्हें विमानों और चालक दल के सदस्यों को स्थानांतरित करने तथा यात्रियों को उनके

गंतव्य तक पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। हवाई अड्डे के प्रमुख ने कहा कि उन्हें इस घटना पर हीथ्रो की प्रतिक्रिया पर गर्व है। लेकिन असुविधाग्रस्त यात्रियों, नाराज एयरलाइनों और चिंतित राजनेताओं ने इस बात का जवाब मांगा कि कैसे एक आकस्मिक आग यूरोप के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे को बंद कर सकती है। हीथ्रो ने कहा कि हमारे टर्मिनलों में सैकड़ों अतिरिक्त सहकर्मी मौजूद हैं। ब्रिटिश सरकार ने शनिवार को देश की ''ऊर्जा संकट से निपटने की क्षमता एवं तैयारी'' की जांच के आदेश दिए।

भारत-मंगोलिया की द्विपक्षीय बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और मंगोलिया ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प लिया है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में एक बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने मंगोलिया के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव मुंखतुषिग लखानाजव के साथ परामर्श बैठक की।

पीओके ने महिला-पुरुष के शव भारतीय अधिकारियों को सौंपे

श्रीनगर (भाषा)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के अधिकारियों ने झेलम नदी में डूबी महिला व पुरुष के शव शनिवार को नियंत्रण रेखा पर कमान चौकी पर अपने भारतीय समकक्षों को सौंप दिए। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के उरी के बसग्रान क्षेत्र के यासिर हुसैन शाह और उरी के कुंडी बरजाला क्षेत्र की आसिया बानो ने 5 मार्च को नदी में कथित तौर पर छलांग लगा दी थी। दोनों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान चलाया गया जिसमें शाह का शव 20 मार्च को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास कमान चौकी के पास तैरता हुआ देखा गया। पुलिस और बचाव दल ने शव निकालने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के कारण शव बहकर नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर चले गए। भारत के अधिकारियों ने इस मामले को नियंत्रण रेखा के पार के अधिकारियों के समक्ष उठाया, जिन्होंने अंततः दोनों शवों को नदी से बाहर निकाला।

- 20 मार्च को बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास कमान चौकी के पास तैरता हुआ देखा गया

बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों का हिंदुओं पर अत्याचार चिंता का विषय

भाषा ▶▶| बेंगलुरु

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों द्वारा हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ कथित रूप से सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न को लेकर शनिवार को गंभीर चिंता व्यक्त की। आरएसएस के शीर्ष निर्णायक मंडल अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक के दूसरे दिन बांग्लादेश के संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया। आरएसएस ने कहा कि हिंदुओं पर अत्याचार मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। प्रस्ताव में कहा गया है, ''अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों के हाथों हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर लगातार और सुनियोजित तरीके से हो रही हिंसा, अन्याय

और उत्पीड़न को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करती है।' बांग्लादेश में हाल में हुए शासन परिवर्तन के दौरान मठों, मंदिरों, दुर्गापूजा पंडालों और शैक्षणिक संस्थानों पर हमले, देवी-देवताओं की मूर्तियों का अपमान करने, बर्बर हत्याएं, संपत्तियों की लूट, महिलाओं के अपहरण और छेड़छाड़ तथा जबरन धर्मांतरण की कई घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

आधार कार्ड^ पर लोन व कैश EMI | ₹60^ प्रतिदिन EMI | 5% इंस्टेंट डिस्काउंट^ चुनिंदा कार्डों पर | HDFC BANK | pine labs PAY LATER

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *As per combined sales volume of 100-110cc motorcycles for FY 24 by a single company. Data Source: SIAM's domestic sales data FY 2024. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. The offer is applicable on purchase of HF Series & Splendor+ Series from authorised dealers of HeroMotocorp using any HDFC Credit Card on all Pine Labs POS terminals. The 5% cashback upto ₹5000/- is applicable on minimum transaction of ₹40,000. T&C apply. *Ex-showroom price of HF Deluxe Self non i3s Drum Brake, Splendor+ Non i3s Drum Brake variant in Gurugram.

India's First 5 Year Warranty* *Conditions apply

TOLL FREE 1800 266 0018

Authorised Dealers: Ambala Cantt: Haryana Motors, 9289923122; Ambala City: Dhruv Hero, 9289922868; Assandh: Sandhu Hero, 9289922815; Bahadurgarh: Satvik Hero, 9289922550 Bhiwani: Jaya Hero, 9289922056; Ellenabad: Ajit Hero, 9289922505; Fatehabad: Shri Balaji Hero, 9289922057; Gharaunda: Laxmi Hero, 9289922433; Gohana: Krishna Hero, 9289923026; Hisar: Chaudhary Hero, 9289922049, Vikrant Hero, 9289923082; Jhajjar: Pushkar Hero, 9289923147; Jagadhari: Khanna Hero, 9289922050; Jind: National Hero, 9289922061; Kaithal: Chaudhary Hero, 9289922062; Karnal: Nirmal Hero, 9289922048; Kurukshetra: VPS Hero, 9289922988; Ladwa: Khanna Hero, 9289922063; Mandi Dabwali: Karan Hero, 9289922490; Nuh: Sunil Hero, 9289923087; Narnaul: Autodeals Hero, 9289922058; Narwana: Narwana Hero, 9289923101; Palwal: DevVaahan Hero, 9289922877; Panchkula: Regent Hero, 9289923161; Panipat: Kadian Hero, 9289923182, Sahib Hero, 9289922059; Pehowa: Saraswati Hero, 9289922393; Rewari: Virendra Hero, 9289922060; Rohtak: Shivam Hero, 9289922047; Sirsa: Khanna Hero, 9289923195; Sonipat: Sidak Hero, 9289922865; Yamuna Nagar: Rohit Hero, 9289922394; Faridabad: Sehgal Hero, 9289922419, Sehgal Hero, NIT, 9289207333, Gurgaon: Himgiri Hero, 9289923046, Autoneeds Hero, 9289922051, Jaasodha Hero, 9289922495, Sharma Hero, Basai Road Sector 11, 9289923221, Hansi: Sunil Motors, 9821744694.

VML 5798 2025